04 - किस दल का घोषणा-पत्र कितना प्रभावशाली?

05 - विवाह की बढ़ती उम्र से जूझता युवा वर्ग

A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 18 अप्रैल, 2024

06- मिर्ची पाउडर फेंककर पीएम आवास के तोड़े कालम

07- चित्र अनावरण के साथ 48 दीपक से आरती संपन्न

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 183 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

अरुण गोविल की छवि के जरिए जातीय संतुलन बना रही बीजेपी

कृष्ण मुरारी

उत्तर प्रदेश के रछौती गांव में गुरुवार को 52 वर्षीय मुनीश भावुक हो गए, जब उन्होंने अपने 'राम' पर गुलाब की पंखुड़ियां फेंकी और बीच-बीच में अपने दुपट्टे से अपना चेहरा पोंछती रहीं तो उनके चेहरे से आंसू बह निकले। उनके लिए यह पल 'सपना सच होने' जैसा था। 1980 के दशक की प्रतिष्ठित टेलीविजन श्रृंखला रामायण में भगवान राम के किरदार के लिए प्रसिद्ध 72 वर्षीय अरुण गोविल जब रछौती पहुंचे, तो ऐसा लगा जैसे राम ने स्वयं अपनी उपस्थिति से गांव को गौरवान्वित किया हो।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने लोकसभा चुनाव के लिए 'टेलीविजन के राम' को मेरठ से मैदान में उतारा है। रछौती मेरठ की कठौर विधानसभा में आता है। भाजपा ने जनवरी में अयोध्या के राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद यह फैसला लिया। गोविल की उम्मीदवारी की घोषणा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 27 मार्च को की थी। मुनीष ने कहा, 'मैंने राम को अपने सामने देखा है। हम उन पर पूरे दिल से विश्वास करते हैं और अब जब वह वोट मांगने आए हैं, तो हम यह कैसे यह कर सकते हैं कि उनकी जीत सुनिश्चित न हो?' जैसे ही गोविल गले में भगवा दुपट्टा डालकर सड़कों पर चले, प्रशंसकों की भीड़ ने उनका स्वागत किया। महिलाएं उनकी एक झलक पाने के लिए अपने घरों से बाहर निकलीं, अपने फोन पर तेज़ी से वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं, जबकि अन्य लोगों ने अपने छतों से उन पर फूलों की वर्षा की. बदले में, गोविल ने जितना संभव हो सका उतने लोगों से हाथ मिलाए, लोगों के द्वारा पहनाई जाने वाी मालाएं स्वीकार कीं और कभी-कभी अपने गले से एक माला किसी और के गले में डाल दी। ऐसी ही एक महिला हैं 56 साल की सतबीरी। उन्होंने कहा, 'यह माला मेरे लिए विशेष है। मेरे भगवान ने मुझे यह दिया है। उनके चेहरे पर वैसी ही मुस्कान है जैसी मैंने टीवी पर देखी थी।'

गुलाबी कुर्ता पहने, माथे पर सिन्दूर लगाए गोविल ने कहा, 'लोगों के इस प्यार को देखकर मेरा दिल भर जाता है। मैं इसके बदले में क्या दे सकता हूं? ऐसा प्यार सिर्फ भारत में ही मिल सकता है। जनता ने मुझे अपने दिल में खास जगह दी है। अब उनके लिए कुछ करने की मेरी बारी है। यह सब राम के कारण हो रहा है। राम चाहते हैं, इसीलिए मैं यहां से चुनाव लड़ पा रहा हूं।'

हालांकि, डीडी नेशनल पर रामायण एपिसोड के मूल प्रसारण को 35 साल से अधिक समय हो गया है, लेकिन शो के मुख्य पात्र के रूप में गोविल की छवि लोगों की यादों में बनी हुई है। यह संभवतः उन्हें आगामी चुनावों में अच्छी स्थिति में रखेगा। कम से कम बीजेपी को तो यही उम्मीद है। मेरठ निर्वाचन क्षेत्र में प्रतिदिन होने वाले गोविल के रोड शो के दौरान भाजपा कार्यकर्ता जोर-जोर से 'जय श्री राम' के नारे लगाते हैं। प्रचार वाले वाहन पर स्पीकर से म्यूजिक बज रहा है- 'दूध मांगोगे तो सीधा खीर देंगे हम, राम पे जो बात तो सीधा चीर देंगे हम। गोविल के फेसबुक पर 2 मिलियन से अधिक, एक्स पर लगभग 1.2 मिलियन और इंस्टाग्राम पर एक मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। इंस्टाग्राम पर उनके बायो में लिखा है, 'रामायण के राम। विश्व के सबसे प्रिय राम।'

भाजपा के राजेंद्र अग्रवाल, जो मेरठ से मौजूदा सांसद हैं और तीन बार इस सीट से जीत चुके हैं, उनको इस साल टिकट नहीं दिया गया। हालांकि, उन्हें गोविल के कैंपेन का समर्थन करते हुए और रोड शो में उनके साथ जाते देखा जा सकता है। अग्रवाल ने कहा कि अब किसी नए को लाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, 'लोगों में उत्साह है। लोग हमारी तरफ आ रहे हैं।' मेरठ में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा।गोविल के अभियान पर युवाओं की प्रतिक्रिया थोड़ी अलग है- कम श्रद्धापूर्ण। वे हाथ जोड़ने के बजाय उनसे हाथ मिलाते हैं और उनके साथ अच्छे से मजाक करते हैं। लेकिन युवा उन्हें एक अभिनेता और भाजपा उम्मीदवार के रूप में देख रहे हैं। मेरठ का महत्व इस बात से पता चलता है कि 31 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहीं से बीजेपी के चुनाव अभियान की शुरुआत की थी। मेरठ को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रवेश द्वार माना जाता है और 2009 से इस सीट पर भाजपा का कब्जा है, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में, हालांकि, भाजपा की जीत का अंतर करीब था क्योंकि राजेंद्र अग्रवाल ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उम्मीदवार से सिर्फ 4 हजार वोटों से जीत हासिल की थी। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान बसपा, समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने गठबंधन कर लिया था। लेकिन अब रालोद के भाजपा के साथ गठबंधन करने से जमीनी समीकरण बदल गए हैं।गोविल के रोड शो के दौरान, राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के समर्थक- जो भाजपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं ङ्क अपना गाना 'आरएलडी आई रे' बजा रहे हैं। जिले के भाजपा नेताओं के अनुसार, आरएलडी का मेरठ में ओबीसी जाट समुदाय के बीच एक बड़ा समर्थन आधार है, जो निर्वाचन क्षेत्र की आबादी का लगभग 7 प्रतिशत है। यह भाजपा के लिए एक आवश्यक वोटबैंक है जो आगामी चुनावों के लिए अपने ओबीसी वोटबैंक पर पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रही है। चुनाव आयोग के अनुसार, मेरठ में 18.9 लाख मतदाताओं में से लगभग एक तिहाई मुस्लिम हैं, जो सपा को वोट देते हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुल 27 लोकसभा सीटें हैं। 2019 में आरएलडी-एसपी-बीएसपी गठबंधन के सामने बीजेपी सात सीटें हार गई थी। प्रोफेसर शर्मा ने कहा कि पश्चिमी यूपी में जाति एक बड़ा कारक होने के बावजूद, विकास ने लोगों के सोचने के तरीके को बदल दिया है।

गांव की अधिकांश सड़कें, जहां से होकर गोविल गुजरते हैं, टूटी हुई थीं और नाली का पानी उन पर बिखरा हुआ था। हालांकि गोविल प्रचार के दौरान मुद्दों पर कम बोल रहे हैं, लेकिन गांवों में साफ-सफाई की कमी पर उन्होंने कहा, 'स्वच्छता बहुत जरूरी है। हमारे गांव स्वच्छ होने चाहिए।' जीतने के बाद मैं इस दिशा में काम करने पर ध्यान केंद्रित करूंगा।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

ऐसा मौका किस काम का जहां लौटना ही संभव ना हो..!
मैंने उदास होकर कहा.
मैं तुमसे जरूर मिलूंगा. नंबर तो है ही, उसने हंसते हुए कहा था.
हां दुनिया में अब लोग केवल नंबर ही रह गए हैं,
आज तुम भी बन गए.
मैंने गहरी सांस भरकर कहा
उस दिन के बाद वह फिर नहीं मिला
ना मैंने उसे फोन लगाया ना उसने कभी याद किया.
वह जिंदगी भर एक नंबर ही बना रहा..!

- सारंग उपाध्याय

भाजपा के शासनकाल में देश-प्रदेश का नक्शा ही बदल गया : मुख्यमंत्री

छिंदवाड़ा, बालाघाट, डिंडौरी, जबलपुर। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में 15 माह के लिए मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार आई तो एक छिंदवाड़ा मॉडल भी आया। इस मॉडल को पूरे मध्यप्रदेश में लागू करने की तैयारी थी, लेकिन विकास के इस छिंदवाड़ा मॉडल में तो यहां की जनता ही परेशान है। छिंदवाड़ा के लोग विकास को तरस रहे हैं। उन्हें मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। वे छिंदवाड़ा मॉडल का उदाहरण बताते फिर रहे हैं। 1977 से छिंदवाड़ा के लोगों ने उन्हें माथे पर बिठा रखा है। 44 सालों से उनके घरों में हेलीकाप्टर उतर रहे हैं, लेकिन छिंदवाड़ा के लोगों को उन्होंने कभी हेलीकॉप्टर पर नहीं बैठाया। अब भाजपा सरकार ने निर्णय लिया है कि इमरजेंसी में जरूरत पड़ने पर हेलीकाप्टर में बैठाकर बड़े अस्पताल पहुंचाएंगे। कांग्रेस ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर को नहीं बनने देने के सब षड्यंत्र रच लिए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने श्रीराम मंदिर का रास्ता खोल दिया। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वे छिंदवाड़ा लोकसभा में भाजपा प्रत्याशी श्री विवेक बंटी साहू के समर्थन में चौरई विधानसभा के धनोरा, बालाघाट लोकसभा में भाजपा प्रत्याशी श्रीमती भारती पारधी के समर्थन में वारासिवनी विधानसभा के रामपायली, मंडला लोकसभा में भाजपा प्रत्याशी श्री फग्गन सिंह कुलस्ते के समर्थन में डिंडौरी में आयोजित जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंडला में रोड शो भी किया।

500 वर्षों के बाद श्रीराम गर्भगृह में मुस्कुराए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज से 17 लाख साल पहले भगवान श्रीराम अवतरित हुए थे। भगवान श्रीराम के जन्म और पराक्रम का संयोग है कि इस चैत्र नवरात्रि की रामनवमीं के दिन दोपहर 12 बजे उनका प्राकट्य हुआ। इस बार की रामनवमीं भी देशवासियों के लिए बेहद अहम रही। 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम अपने गर्भगृह में मुस्कुराए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीराम मंदिर में ऐसी रचना बनाई गई कि सूर्य की किरण भगवान के मस्तक पर पड़ेगी। भगवान सूर्यनारायण उनके मस्तक पर तिलक लगाकर जय जयकार का दुनिया में उद्घोष करवाएंगे। देश की जनता को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वचन दिया था और हमारे अपने वचन के मामले में कहा जाता है कि मोदी है तो मुमकिन है।

44 सालों से झूठ बोलकर कर रहे हैं गुमराह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 44 साल से छिंदवाड़ा के लोग कमलनाथ का साथ दे रहे हैं और वह कह रहे हैं कि मैं तपस्या कर रहा हूं। तपस्या वो नहीं, ये लोग कर रहे हैं जो यहां बैठे हैं। कमलनाथ तो छिंदवाड़ा के लिए समस्या बन गए हैं। वे 44 साल से झूठ बोल रहे हैं और छिंदवाड़ावासियों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप कितने उदार मन वाले हैं। 44 साल से आपके विचारों का सपना सिर्फ सपना ही बना हुआ है। वे लगातार झूठ पर झूठ बोले जा रहे हैं कि अब कर देंगे, अब कर देंगे, लेकिन कुछ नहीं किया। इतने सारे लोग बोल रहे हैं कि हमारे यहां कुछ नहीं हुआ और वो कह रहे हैं, छिंदवाड़ा मॉडल दुनिया में दिखाऊंगा। ऐसा कोई झूठा आदमी मिलेगा क्या कहीं पर जो लगातार आश्वासन ही देता रहे। उन्होंने छिंदवाड़ा को अपनी जागीर बना लिया है, क्योंकि 8 बार खुद बन गए, 9वीं बार पत्नी को बना दिया, 10वीं बार बेटे को बना दिया और अब फिर बेटे को बना रहे हैं।

सहारनपुर में अजान शुरू होने पर प्रियंका ने रोका भाषण

- मुस्लिम महिलाओं से बोलीं-अस्सलामु अलैकुम

सहारनपुर (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के ऐलान के बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को यूपी का पहला रोड शो सहारनपुर में किया। खुली जीप में उनके साथ कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद भी मौजूद रहे। प्रियंका ने कहा- मोदी का ध्यान गरीबों की तरफ नहीं, धन्नासेठों की तरफ है। प्रियंका के भाषण के दौरान अजान शुरू हो गई, तो उन्होंने भाषण रोक दिया। दोबारा बोलते हुए वाल्मीकि रामायण का एक किस्सा सुनाया। मुस्लिम महिलाओं से अस्सलामु अलैकुम बोलीं। इस दौरान प्रियंका को किसी ने गुलाब तो किसी ने पेंटिंग गिफ्ट की। रोड शो अमन पैलेस से शुरू हुआ, जो डेढ़ किमी दूर गुरुद्वारा रोड पर खत्म हुआ। 5 साल पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में भी प्रियंका गांधी ने सहारनपुर में रोड शो किया था। तब भी खुली जीप में इमरान मसूद उनके साथ थे। इससे पहले 1993 में अटल बिहारी वाजपेयी ने भी बलरामपुर में लोकसभा चुनाव के दौरान अजान की आवाज सुनकर भाषण रोक दिया था। प्रियंका गांधी ने कहा कि इन्होंने कुछ गड़बड़ पहले से कर रखी है कि इनको पता है कि इन्हें 400 पार मिलने वाले हैं। अगर देश में ऐसा चुनाव हो, जिसमें ईवीएम में कोई गड़बड़ न हो, तो मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि ये 180 से ज्यादा नहीं ले सकते।

राहुल गांधी बोले- बीजेपी 150 सीटों पर ही सिमट रही

गाजियाबाद (एजेंसी)। राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने गाजियाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल ने कहा- पार्टी कहेगी तो अमेठी से चुनाव जरूर लड़ूंगा। प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम देश की सबसे बड़ी एक्सटॉर्शन स्कीम है। मुझे लगता है कि बीजेपी की 150 तक सीटें आएंगी। हर स्टेट से ऐसी रिपोर्ट मिल रही है। अखिलेश ने कहा- भाजपा की हर बात झूठी निकली। वह सिर्फ भ्रष्टाचारियों का गोदाम बनकर रह गई है। भाजपा के होर्डिंग से प्रत्याशी गायब हैं। इस लोकसभा चुनाव में यह पहला मौका था, जब राहुल-अखिलेश एक मंच पर दिखे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद इंडी गठबंधन का सॉन्ग भी लॉन्च हुआ। राहुल गांधी ने कहा- यह विचारधारा का चुनाव है। एक तरफ आरएसएस-बीजेपी संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रही। दूसरी तरफ इंडी गठबंधन लोकतंत्र और संविधान की रक्षा कर रहा है। चुनाव में 3 बड़े मुद्दे हैं। बेरोजगारी, महंगाई, भागीदारी। उन्होंने कहा- कभी प्रधानमंत्री समुद्र के नीचे चले जाते हैं, कभी आसमान में सी-प्लेन पर चले जाते हैं। मगर मुद्दों पर न प्रधानमंत्री, न बीजेपी बात करती है। कुछ दिन पहले पीएम ने एक समाचार एजेंसी को लंबा इंटरव्यू दिया। वह स्क्रिप्टेड था, फ्लॉप शो था।

रामनवमीं धूम

अयोध्या में 'सूर्य तिलक' के साथ जन्मे 'रामलला'

- प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला का हुआ पहला सूर्य तिलक
- अभिजीत मुहूर्त में 3 मिनट तक माथे पर पड़ीं नीली किरणें

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामनवमी पर दोपहर 12 बजे से रामलला का सूर्य तिलक हुआ। प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह पहला सूर्य तिलक है। दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक किया गया और मस्तक पर 3 मिनट तक नीली किरणें पड़ीं। सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का जन्म हो गया। मंदिर में आरती की गई। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए रामलला का पट बंद कर दिया गया। इससे पहले जगद्गुरु राघवाचार्य ने 51 कलशों से भगवान रामलला का अभिषेक किया। आज सुबह 3.30 बजे मंदिर के कपाट खुल गए, आम दिनों में यह 6.30 बजे खुलते हैं। श्रद्धालु रात 11.30 बजे तक, यानी 20 घंटे दर्शन कर सकेंगे। सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फीट लंबा सिस्टम बनाया गया है। इसमें 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भगृह तक रामलला के मस्तक तक किरणें पहुंचाई गईं। अब तक 6 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं। राम जन्मभूमि परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं। राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ पर काफी भीड़ है। दोपहर के समय राम लला की मूर्ति के माथे का सूर्य की किरण से अभिषेक किया गया। प्रंदिर प्रबंधन ने विज्ञान का इस्तेमाल कर 5.8 सेंटीमीटर प्रकाश की किरण के साथ रामलला का 'सूर्य तिलक' किया है।

रामलला का सूर्य तिलक देख भावुक हुए पीएम मोदी

प्लेन में टैबलेट पर देखा अयोध्या का 'अद्भुत दृश्य'

नई दिल्ली (एजेंसी)। रामनवमी के अवसर पर बुधवार को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला का सूर्य तिलक किया गया। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी ने असम के नलबाड़ी में चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलीकॉप्टर में इस अभिषेक को अपने टैब पर देखा। इस दौरान पीएम मोदी भाव विभोर नजर आए। उन्होंने अपने जूते उतारकर रखे हुए थे और एक हाथ अपने सीने पर लगाकर रामलला की आराधना में लीन नजर आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि नलबाड़ी की सभा के बाद मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के अद्भुत और अप्रतिम क्षण को देखने का सौभाग्य मिला। श्रीराम जन्मभूमि का ये बहुप्रतीक्षित क्षण हर किसी के लिए परमानंद का क्षण है। ये सूर्य तिलक, विकसित भारत के हर संकल्प को अपनी दिव्य ऊर्जा से इसी तरह प्रकाशित करेगा। पीएम ने आगे लिखा कि करोड़ों भारतीयों की तरह, यह मेरे लिए बहुत भावनात्मक क्षण है। अयोध्या में भव्य राम नवमी ऐतिहासिक है। यह सूर्य तिलक हमारे जीवन में ऊर्जा लाए और यह हमारे राष्ट्र को गौरव की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करे। रामनवमी के अवसर पर बुधवार को अयोध्या में शीशे और लेंस वाली एक विस्तृत प्रणाली के जरिये रामलला का 'सूर्य तिलक' किया गया। इस यंत्र के माध्यम से सूर्य की किरणें राम की मूर्ति के माथे तक पहुंची थीं। 22 जनवरी को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन किए गए नए मंदिर में राम मूर्ति की प्रतिष्ठा के बाद यह पहली राम नवमी है। मंदिर के प्रवक्ता प्रकाश गुप्ता ने कहा कि लगभग चार से पांच मिनट तक सूर्य तिलक के दर्शन किए गए, जिसमें सूर्य की किरणें सीधे राम लाल की मूर्ति के माथे पर केंद्रित थीं। नलबाड़ी में एक जनसभा में पीएम मोदी ने 'जय श्री राम' के नारे लगवाए। पीएम मोदी ने कहा कि प्रभु श्रीराम का सूर्य तिलक हो रहा है तो हमारे मोबाइल की रोशनी भेज रहे हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 40 °c
न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 18 अप्रैल 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

पीछे से कोई फायर नहीं करेगा...

3 तरफ से घेरी पहाड़ी फिर दौड़ा-दौड़ाकर मारे नक्सली

● छत्तीसगढ़ में अब तक की सबसे बड़ी नक्सली मुठभेड़ ● 29 नक्सलियों के शव बरामद, सफल रहा यह ऑपरेशन

रायपुर (एजेंसी)। घने जंगल के बीच केवल कदमों की आवाज, एकदम से सन्नाटा और फिर गोलियों की तेज आवाज। ये फिल्म का सीन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के कांकेर में हुए सबसे बड़े नक्सली एनकाउंटर की एक झलक है। इस मुठभेड़ का एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से घूम रहा है। वीडियो किसी सुरक्षाकर्मी ने शूट किया है। इस एनकाउंटर में 29 नक्सली मारे गए। मारे गए नक्सलियों में 50 लाख रुपये से अधिक का इनाम रखने वाला सीनियर कैडर भी शामिल है। कांकेर के एसपी कल्याण एलेसेला ने बताया,

मारे गए नक्सलियों में सीनियर माओवादी कमांडर शंकर राव और ललिता भी शामिल थे। उन पर 25-25 लाख रुपये का नकद इनाम था। एक अन्य कैडर, विनोद गावड़े भी इस मुठभेड़ में मारा गया है। गावडे के सिर पर 10 लाख रुपये का इनाम था। वह राजनांदगांव, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय था। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान में भारी मात्रा में इंसास/एके 47, एसएलआर, कार्बाइन, .303 राइफल समेत कई स्वचालित हथियार जब्त किए गए। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी सुंदरराज ने कहा कि यह संभवतः बस्तर में अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़ है। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ में सीमा सुरक्षा बल और जिला रिजर्व गार्ड के तीन सुरक्षाकर्मी गोली लगने से घायल हो गए और लोगों को निकालने की प्रक्रिया जारी है।

उन्होंने कहा कि उनकी हालत स्थिर है और खतरे से बाहर है। मुठभेड़ कांकेर जिले के बीनागुंडा गांव के पास हापाटोला जंगल में दोपहर करीब 2 बजे हुई। इसे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राज्य पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया।

संक्षिप्त समाचार

शंभू बॉर्डर पर बैरिकेडिंग तोड़ रेलवे ट्रैक पर बैठे किसान

● पुलिस से धक्का-मुक्की, कई ट्रेनें रद्द, यात्रियों को भारी दिक्कत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। युवा किसान नेता नवदीप सिंह जलबेड़ा समेत 3 किसानों की जेल से रिहाई की मांग को लेकर पंजाब-हरियाणा के बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों ने शंभू रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक जाम कर दिया है। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो पुलिस-किसानों की धक्कामुक्की हुई। किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और ट्रैक पर बैठ

गए। किसानों ने अंबाला-लुधियाना रेल मार्ग बंद कर दिया है। इससे अंबाला कैंट से निकलने वाली 36 ट्रेन प्रभावित हुई हैं और 11 ट्रेन रद्द करनी पड़ी। इससे यात्रियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा। किसानों के आंदोलन के चलते जम्मू तवी, वैष्णों देवी, पठानकोट, अमृतसर जाने वाली ट्रेनों के रूट डाइवर्ट किए गए हैं। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि जब तक हमारे साथियों को रिहा नहीं किया जाता हम शंभू बार्डर पर डटे रहेंगे।

एमपी-यूपी समेत 9 राज्यों में तापमान '41' के पार

● गुजरात-महाराष्ट्र में हीटवेव का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में तेज गर्मी का दौर फिर से शुरू हो गया है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड में तापमान 41 डिग्री के पार पहुंच गया है। मंगलवार को आंध्र प्रदेश के नंदयाल में टेम्प्रेचर सबसे ज्यादा 43 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि आज गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के कई जिलों में हीटवेव चलेगी। इससे इन राज्यों में तापमान में और भी बढ़ोतरी होने का अनुमान है। देश के उत्तरी राज्यों (हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश) में फिलहाल तापमान 40 डिग्री से नीचे बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कल ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट है। इन राज्यों में कुल तापमान में और गिरावट दर्ज हो सकती है। इसके अलावा नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में भी गर्मी से राहत बनी रहेगी। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में आज तेज बारिश का अनुमान है। वहीं, सिक्किम में धूलभरी आंधी चलने का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 18 अप्रैल से राज्यों में बर्फबारी, बारिश और ओले का अलर्ट इसलिए है, क्योंकि देश में नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने वाला है। ये वेस्टर्न डिस्टरबेंस कितना स्ट्रॉन्ग होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता। एक-दो दिन बाद ही वेस्टर्न डिस्टरबेंस का सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। फिलहाल नॉर्थ-ईस्ट में जो बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, वह पिछले वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से किया गया है। एक हफ्ते पहले ईरान-पाकिस्तान की ओर से यह ऐक्टिव होते हुए उत्तर और मध्य भारत के राज्यों से गुजरा था।

2014 में आशा, 2019 में विश्वास और अब गारंटी

पहले चरण का प्रचार खत्म होने से पहले बोले पीएम मोदी

गुवाहाटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह 2014 में लोगों के बीच आशा, 2019 में विश्वास लेकर आए थे और अब 2024 में गारंटी लेकर आए हैं। असम के नलबाड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा देश भर में मोदी की गारंटी है और मैं इन सभी गारंटी को पूरा करने की गारंटी दे रहा हूं। पीएम ने कहा, पूर्वोत्तर मोदी की गारंटी का गवाह है क्योंकि कांग्रेस ने इस क्षेत्र को केवल समस्याएं दी थीं लेकिन भाजपा ने इसे संभावनाओं का स्रोत बना दिया है। मोदी ने कहा, कांग्रेस ने विद्रोह को बढ़ावा दिया लेकिन मोदी ने लोगों को गले लगाया और क्षेत्र में शांति लेकर आया। उन्होंने कहा, कांग्रेस के 60 साल के शासनकाल

में जो हासिल नहीं किया जा सका, उसे मोदी ने दस साल में प्राप्त कर लिया। मोदी ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर में सूर्य तिलक समारोह के साथ 500 वर्ष बाद उनका जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम अयोध्या में उत्सव में शामिल नहीं हो सकते, लेकिन हमें अपने मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाकर और भगवान राम की पूजा करके इस कार्यक्रम में हिस्सा लेना चाहिए। इससे पहले मोदी ने बुधवार को राम नवमी के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा, यह पहली रामनवमी है, जब अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर में हमारे राम लला विराजमान हो चुके हैं। राम नवमी के इस उत्सव में आज अयोध्या अप्रतिम आनंद में है।

सिर पर पल्लू और हाथ जोड़कर कर रहीं विनती

● 'झारखंड झुकेगा नहीं' के नारों के बीच कल्पना सोरेन बनीं इंडिया की स्टार प्रचारक

रांची (एजेंसी)। सिर पर साड़ी का पल्लू लेकर कड़ी धूप में ग्रामीण महिलाओं के बीच हाथ जोड़ कर खड़ी नजर आने वालीं कल्पना सोरेन अब राजनीति के हर दांव-पेच को समझने लगी हैं। आलीशान सुख-सुविधाओं को छोड़कर कल्पना सोरेन न सिर्फ गांडेय में कैंप कर रही हैं, बल्कि विभिन्न जिलों का भी लगातार दौरा कर रही हैं। अपने हेमंत सोरेन की अनुपस्थिति के दौरान दो महीने से कम समय में ही कल्पना सोरेन सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) संगठन की पूरी बागडोर संभाल ली है। कल्पना सोरेन के पास अभी न जेएमएम संगठन का कोई दायित्व हैं और न ही इंडिया की ओर से उन्हें किसी तरह का पद दिया गया है।

रोकेंगे एनआरसी-यूसीसी बंगाल से खत्म करेंगे सीएए

टीएमसी ने जारी किया घोषणापत्र, किए कई वादे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी और विपक्षी इंडिया अलायंस की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने लोकसभा चुनावों के लिए आज (बुधवार, 17 अप्रैल) अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। ममता बनर्जी की अध्यक्षता वाली पार्टी ने इसमें नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को रद्द करने और देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लागू करने से रोकने का वादा किया है। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए कहा, यह सब

हम तब करेंगे जब टीएमसी, इंडिया गठबंधन के हिस्से के रूप में केंद्र में सरकार बनाएगी। टीएमसी के घोषणा पत्र में सीएए और यूसीसी के अलावा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत दैनिक भत्ता को बढ़ाकर 400 रुपये प्रति दिन करने का भी वादा किया है। इसके अलावा पार्टी ने सभी को पक्के मकान देने का भी वादा किया है। इसके अलावा पार्टी ने गरीबी रेखा से नीचे रह रहे परिवारों के लिए उनके घर पर ही राशन पहुंचाने और 10 एलपीजी सिलेंडर मुफ्त उपलब्ध कराने का वादा किया है। इसके अलावा अन्य कई कल्याणकारी योजनाओं का भी ऐलान टीएमसी ने किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित मित्रा ने इस मौके पर कहा कि उनकी पार्टी मूल्य स्थिरीकरण कोष का निर्माण कर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को नियंत्रित करने का वादा करती है।

राम हमारे प्राण हैं अस्तित्व हैं, आराध्य हैं : शिवराज सिंह चौहान

● भगवान श्रीराम के बिना भारत की पहचान नहीं ● कांग्रेस कभी जनता का भला नहीं कर सकती

● मैं नेता नहीं, मामा और भैया हूं ● मोदी ने अद्भुत भारत बनाया है: शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रामनवमी के पावन पर्व पर विदिशा के किलेंदर स्थित प्राचीन बालाजी मंदिर में प्रभु श्रीराम के दर्शन कर पूजा अर्चना की और मंडली के साथ जमीन पर बैठकर भजन भी गाए। पूर्व सीएम ने कहा कि, राम हमारे अस्तित्व हैं, राम हमारे आराध्य हैं, राम हमारे प्राण हैं राम हमारे रोम-रोम में रमें हैं हर सांस में बसें हैं। बिना राम के ये देश पहचाना नहीं जा सकता। श्री चौहान ने कहा कि, मैं भगवान से सिर्फ यही मांगता हूं कि, मुझे धन, बल, विद्या, स्वर्ग और मुक्ति नहीं चाहिए, मुझे तो मरने के बाद बार-बार इसी जनता के बीच पैदा करना ताकि सेवा कर सकूं। जनता की सेवा ही भगवान की पूजा है।

कांग्रेस में कुछ नहीं बचा

पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि, कांग्रेस की सबड़े बड़ी नेत्री मैडम सोनिया ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। रायबरेली से इंदिरा जी भी चुनाव लड़ती थी, लेकिन अब रायबरेली से कांग्रेस को उम्मीदवार ही नहीं मिल रहा है। राहुल गांधी भी अमेठी से चुनाव लड़ते थे लेकिन वो भी अमेठी छोड़कर वायनाड चले गए हैं, रणछोड़दास बन गए हैं। कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने तो चुनाव लड़ने से ही इनकार कर दिया है क्योंकि उन्हे पता है कि, हम हार जाएंगे। अब कांग्रेस समाप्ति की ओर है, कांग्रेस में कुछ नहीं बचा है। इसलिए कांग्रेस के अच्छे विचारवान नेता कांग्रेस छोड़कर देश के विकास के लिए भाजपा में शामिल हो रहें हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि, कांग्रेस के जो नेता खुद अपना क्षेत्र छोड़क भाग रहें हों वो दूसरों को क्या जिताएंगे।

पैसा नहीं, बहनों का मान-सम्मान है

पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, मैं जब सांसद विधायक नहीं था तब भी बेटियों की शादी करवाता था लेकिन उस वक्त 21 या 31 बेटियों की ही शादी करवा पाते थे। आप सभी का आशीर्वाद मिला तो मुख्यमंत्री बन गया और कन्या विवाह योजना के तहत लाखों बेटियों की शादी करवाई। ऐसे ही लाड़ली बहना योजना बनाई और एक झटके में 1 करोड़ 32 लाख बहनों के खाते में पैसे डाले। इस योजना ने बहनों की जिंदगी बदल दी। ये पैसा नहीं है बल्कि बहनों का मान-सम्मान हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि, लाड़ली बहना योजना ऐसी है कि, हर राज्य को लागू करना पड़ेगा। श्री चौहान ने कहा कि, आज नवमी पर एक संकल्प और है कि, बहनों को लखपति दीदी बनाना है, लखपति का मतलब घर का कामकाज करते हुए हर बहन की सालाना आय 1 लाख रूपए से ज्यादा हो, बहनों को लखपति बनाकर ही चैन की सांस लूंगा।

विदिशा बनेगा आदर्श लोकसभा

पूर्व मुख्यशमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, विदिशा संसदीय क्षेत्र को मिलकर आदर्श लोकसभा बनाना है। आप जीत का रिकॉर्ड बनाएं, मैं विकास का रिकॉर्ड बनाउंगा। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, अद्भुत काम करना है, योजनाओं का आदर्श क्रियान्वयन करना है। मैं और आप एक ही हैं, मैं नेता नहीं हूं, मामा हूं

और बहनों का सगा भाई हूं। ये अपना परिवार है। भाजपा सरकार ने चारों तरफ सड़कों का जाल बिछाया है। सड़क हो, बिजली हो, पानी हो सभी विकास के काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हुए हैं। किसानों को सम्मान निधि, बेटा-बेटियों की पढ़ाई के लिए तय किया कि, गरीब किसान के बेटा-बेटी मेडिकल, इंजीनियरिंग पढ़ेंगे और फीस राज्य सरकार भरेगी, ताकी किसान के बेटा-बेटी भी डॉक्टर इंजीनियर बन सकें। मेधावी छात्रों को स्कूटी और लैपटॉप दिए। कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही है जो उनकी जिंदगी बदल रही है। उज्ज्वला योजना के तहत बहनों को गैस कनेक्शन दिए। अब जनता खुद ही कह रही है कि, अबकी बार 400 पार।

मोदी जी ने अद्भुत भारत बनाया है

पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक गौरवशाली, वैभवशाली, शक्तिशाली, सम्पन्न और समृध्द भारत का निर्माण हो रहा है। मोदी जी ने अद्भुत भारत बनाया है। मोदी जी ऐसे नेता है जिनकी इज्जत पूरी दुनिया करती हैं। ये भारत का सौभाग्य है कि, प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी हैं। पहले छोटे-छोटे से देश हमें डराते थे, लेकिन 2014 के बाद से पूरी दुनिया में भारता मान बढ़ा है। हमारा देश अभी दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

कर दिया कमाल, 'इसरो' का एक बार फिर बजा डंका

हल्का सी-सी नोजल बना रॉकेट इंजन तकनीक में हासिल की बड़ी कामयाबी

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर पूरी दुनिया में अपनी सफलता और मेहनत का डंका बजाया है। उसने रॉकेट इंजनों के लिए हल्का नोजल तैयार किया है। इसरो ने मंगलवार को कहा कि उसने रॉकेट इंजनों के लिए हल्के कार्बन-कार्बन (सी-सी) नोजल को सफलतापूर्वक विकसित किया है, जो रॉकेट इंजन तकनीक में एक नई पहल है। इसरो ने कहा है कि हल्के नोजल से अब रॉकेट की पेलोड क्षमता में बढ़ोत्तरी हो सकेगी। इसरो ने एक विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी है। उसके मुताबिक, यह नवाचार तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र द्वारा तैयार किया गया है। इसके जरिए रॉकेट इंजनों के महत्वपूर्ण मापदंडों को बढ़ावा मिल सकेगा। इसमें

थ्रस्ट लेवल, स्पेशिफिक इम्पल्स और थ्रस्ट एवं वजन अनुपात शामिल है। इसरो के मुताबिक इन बदलावों से रॉकेट की पेलोड क्षमता में वृद्धि होगी। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा है कि नोजल डायवर्जेंट बनाने के लिए कार्बन-कार्बन (सी-सी) कंपोजिट जैसी उन्नत सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है जो असाधारण गुण प्रदान करते हैं। इसमें कहा गया है कि हरे कंपोजिट अच्छे काम कर रहे।

रतलाम मंडल को एक ही दिन में रेल यात्रियों ने की 89 शिकायतें

इंदौर, एजेंसी। गर्मियां की छुट्टी लगते ही नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग शुरू हो चुकी है, जिसके रतलाम मंडल ने स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। ट्रेन संख्या बढ़ाने से अब रेल यात्रियों द्वारा अलग-अलग तरह की शिकायतें भी कर रहे हैं। हालांकि मंडल की टीम 24 घंटे सक्रिय होकर इन शिकायतों को तत्काल दूर भी कर रही है। 14 अप्रैल को एक दिन में 89 शिकायतें आई। 14 अप्रैल को रतलाम मंडल से संबंधित 89 शिकायतें अफसरों को मिली। इन शिकायतों में यात्री सुविधा, अनारक्षित टिकट के साथ आरक्षित कोच में यात्रा, कोच में पानी की

उपलब्धता, सुरक्षा, लगेज/पार्सल, इलेक्ट्रिकल उपकरणों की खराबी, रिफंड सहित अन्य प्रकार की शिकायतें शामिल है। इसमें 11 चिकित्सा सहायता भी सम्मिलित है। रतलाम मंडल के वाणिज्य कंट्रोल के व अन्य विभाग के कर्मचारियों के दलों द्वारा मंडल पर चल रही ट्रेनों में 89 में से 80 शिकायतों का निपटारा एक दिन में किया गया। वाणिज्य कंट्रोल द्वारा इस प्रकार मंडल से संबंधित लगभग 90 प्रतिशत प्राप्त शिकायतों का निपटारा किया गया। 14 अप्रैल को एयर फोर्स की एफटीआर ट्रेन के लिए मेडिकल सहायता की मांग आई, जिसमें फिजिशियन व ट्रेन में ही ईसीजी कराने के बारे में लिखा गया था। मंडल द्वारा तत्काल डॉक्टर व टीम द्वारा द्वारा यात्री की जांच और ईसीजी कर दवा दी गई। मंडल पीआरओ खेमराज मीणा ने बताया कि मंडल पर शिकायतों का निपटारा करने में काफी सतर्कता बरती जा रही है। शिकायतों को शीघ्रता से निपटान करने का कार्य भी किया जा रहा है। चलती ट्रेनों में साफ-सफाई, पानी की उपलब्धता, एसी की कार्यशीलता, लिनन की उपलब्धता, मेडिकल सहायता जैसी विभिन्न प्रकार की शिकायतों एवं सहायता के लिए तत्पर हैं। तथा यात्रियों को शिकायत का अवसर न मिले इसके लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

सावधान...इंदौर में गर्मी का बढ़ेगा असर

पारा 40 डिग्री पहुंचने की संभावना

- **दिन में उत्तरी व उत्तर पश्चिमी हवाएं आठ से दस किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेंगी**

इंदौर, एजेंसी। बुधवार सुबह आसमान साफ रहा और सूरज रोशनी ने शहरवासियों को सुबह से ही गर्मी का अहसास करवाया। सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 24 डिग्री रहा। बुधवार सुबह शहर में निकली धूप ने तपिश के साथ गर्मी का अहसास करवाया। दिन में हल्के बादल भी छाए। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, बुधवार को शहर में दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। वहीं बादल न होने से गर्मी का असर ज्यादा रहेगा। दिन में उत्तरी व उत्तर पश्चिमी हवाएं आठ से दस किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी। गौरतलब हैं कि मंगलवार को शहर में अधिकतम तापमान 39 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तर पूर्वी हवाएं नौ किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चली। आज शहर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। शहर में मंलवार को निकली धूप ने गर्मी का अहसास करवाया। दिन में हल्के बादल छाए। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बुधवार को दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। बादल न होने से गर्मी का असर ज्यादा रहेगा। दिन में उत्तरी व उत्तर पश्चिमी हवा आठ से दस किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी।

इंदौर

दिनांक	अधिकतम	न्यूनतम
17 अप्रैल	39	25
18 अप्रैल	40	25

भोपाल

17 अप्रैल	38	22
18 अप्रैल	39	24

उज्जैन

17 अप्रैल	39	24
18 अप्रैल	40	25

आज का तापमान

अधिकतम	39 डिग्री
न्यूनतम	24.4 डिग्री

आर्द्रता

अधिकतम	45 प्रतिशत
न्यूनतम	22 प्रतिशत
सूर्यास्त आज	6.48
सूर्योदय कल	6.04
एक्यूआई	130

इंदौर में महिला ने हाथ पर सुसाइड नोट लिख कर की आत्महत्या, पति और प्रेमिका पर एफआईआर

इंदौर, एजेंसी। तेजाजीनगर थाना क्षेत्र की पाश टाउनशिप में रहने वाली महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने इस मामले में महिला के पति और उसकी प्रेमिका के विरुद्ध एफआइआर दर्ज की है। महिला ने खुदकुशी के पूर्व स्वयं के बाएं हाथ पर सुसाइड नोट लिखा है। उसने दोनों के विरुद्ध प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। जोन-1 के एडिशनल डीसीपी आलोक शर्मा के मुताबिक, घटना बायपास स्थित सिल्वर स्प्रिंग फेस-2 की है। 40 वर्षीय कविता पाटिल ने सोमवार को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। स्वजन घर पहुंचे तो पता चला कविता ने बाएं हाथ पर सुसाइड नोट लिखा है। उसने पति पंकज पाटिल और उसकी प्रेमिका नम्रता पर आरोप लगाए हैं। एडीसीपी के मुताबिक, मंगलवार को इस मामले में पंकज और नम्रता के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली गई है।पुलिस ने देर रात पंकज को हिरासत में भी ले लिया।

मराठी में लिखा है सुसाइड नोट- पुलिस को स्वजन ने बताया कि कविता ने कुछ दिनों पूर्व बताया था कि पंकज से परेशान है।

आईआईएम इंदौर में 432 करोड़ रुपये से अभ्युदय

इंदौर, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर में बुधवार को 8वें प्रोजेक्ट 'अभ्युदय' परियोजना का उद्घाटन किया गया। यह प्रोजेक्ट 432 करोड़ रुपये से तैयार होगा, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ परिसर का विस्तार किया जाएगा। इसके उद्घाटन दौरान आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने राम नवमी के अवसर के पर स्वयं पुरोहिती कर्तव्यों का पालन करते हुए पारंपरिक वैदिक पद्धति के साथ भूमि पूजन किया। इस अवसर पर प्रो. हिमांशु राय ने कहा कि अभ्युदय आइआइएम इंदौर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह विस्तार संस्थान की शैक्षणिक सुविधाओं को बेहतर करेगा। यह परियोजना विकास और नेट-जीरो कैंपस की ओर बढ़ने में मददगार साबित होगा। परियोजना के तहत सोलर पावर सिस्टम और सोलर वाटर हीटिंग जैसी पर्यावरणीय प्रौद्योगिकियों के जरिए नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भरता को कम किया जाएगा। इससे परिसर के कार्बन फुटप्रिंट में काफी कमी आएगी।

अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ परिसर का होगा विस्तार

इसके अलावा अत्याधुनिक सीवेज उपचार संयंत्र से अपशिष्ट जल के रीसाइकक्लिंग, पानी की खपत को कम करने और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में मदद मिलेगी। साथ ही भूनिर्माण योजनाओं में देशी पौधों की प्रजातियों का उपयोग और हरित स्थानों का विकास किया जाएगा।

बड़ी संख्या में तैयार होंगी कक्षाएं और कार्यालय

इस परियोजना के तहत शैक्षणिक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इसमें बहुमंजिला छात्रावास ब्लाकों में 870 छात्रों को समायोजित करने के लिए एक नया शैक्षणिक भवन तैयार किया जाएगा। इसमें 32 फैकल्टी सदस्यों के लिए रेसीडेंशियल क्वार्टरों के साथ 70 फैकल्टी और 70 कर्मचारियों के लिए कार्यालय तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा 150 व्यक्तियों की क्षमता वाली छह बड़ी कक्षाएं, 75 व्यक्तियों की क्षमता वाली छह कक्षाएं और 30 प्रतिभागियों की क्षमता के लिए तीन छोटी कक्षाएं रहेंगी। साथ ही फैकल्टी लाउंज और एडमिनिस्ट्रेश डिपार्टमेंट के लिए 70 नए कार्यालय होंगे। एक आधुनिक कैफेटेरिया भी होगा। इसके अलावा एक एमडीसी अकादमिक ब्लाक और इंक्यूबेशन सेंटर भी होगा।

जीआरआईएचए-5 स्टार वाली इमारतें और ई-चार्जिंग की सुविधा- रेसिडेंस एरिया में 870 सिंगल रूम वाले होस्टल का निर्माण होगा। हर कमरे में एक बाथरूम रहेगा। साथ ही विजिटिंग फैकल्टी और मेहमानों के लिए एक एमडीसी रेसिडेंस ब्लाक तैयार होगा। इसके अलावा ग्रीन रेटिंग फार इंटेग्रेटेड हेबिटैट एसेसमेंट (जीआरआईएचए) 5 स्टार वाली इस परियोजना में इमारतों को धूप और वेंटिलेशन को अधिकतम करने के लिए तैयार की गई है। इससे आर्टिफिशियल कूलिंग और हीटिंग पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इसके अलावा संस्थान की 30 प्रतिशत पार्किंग में ई-चार्जिंग कियोस्क लगाकर इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा एयर हैंडलिंग इकाइयों में एमईआरवी-8 फिल्टर और यूवीजीआई सिस्टम की स्थापना से हवा की गुणवत्ता में काफी सुधार होगा।

समाज सेवा प्रकोष्ठ द्वारा प्रेस कॉम्प्लेक्स स्थित सभागार में 121 वां चार दिवसीय निःशुल्क बाल व्यक्तित्व विकास शिविर हुआ

बच्चों ने व्यक्तित्व विकास के सूत्र और रचनात्मक लेखन के बारे में जाना

बाल निकेतन विद्यालय की प्राचार्य सुश्री वैशाली खरे ने विद्यार्थी जीवन का सदुपयोग विषय पर बोलते हुए कहा कि यही वह समय होता है जब हम अनुशासन,एकाग्रता,विनम्रता जैसे गुणों के साथ दूसरों के साथ सामंजस्य बैठाने का महत्वपूर्ण गुण सीखते हैं. उन्होंने कहा कि नकारात्मक प्रतिस्पर्धा से बचना चाहिए, अच्छ बातो की पुनरावृत्ति करते रहें। अपनी याददाश्त को प्रखर बनाने के सूत्र समझाते हुए उन्होंने कहा कि असफलताओं से निराश नहीं होना चाहिए। सोशल वर्कर और लॉयन्स क्लब की सुश्री अर्चना श्रीवास्तव ने भी बच्चों की भागीदारी करवाते हुए प्रभावी रूप से मार्गदर्शन करते हुए कहा कि नकारात्मक विचारों को त्याग कर खुद पर भरोसा रखना चाहिए। जीवन में ऊपर उठने के लिए पतंग की तरह अपनी डोर से जुड़े रहना चाहिए। मां बाप और शिक्षा ही हमारी जीवन पतंग की सच्ची डोर होती है।

वरिष्ठ साहित्यकार ब्रजेश कानूनगो ने बच्चों के बीच बाल गोष्ठी संचालित की। बच्चों से आपसी सहयोग से कहानी लिखवाई। बच्चों ने भी अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी। श्री कानूनगो ने अपनी बालकथा 'एकता का अस्पताल' सुनाते हुए सृजन के भिन्न भिन्न चरणों को समझाया।

इंदौर। समाज सेवा प्रकोष्ठ द्वारा प्रेस कॉम्प्लेक्स स्थित सभागार में चार दिवसीय 121वें निःशुल्क बाल व्यक्तित्व विकास शिविर में बाल गोष्ठी तथा रचनात्मक लेखन और व्यक्तित्व विकास के लिए जीवन मूल्यों, आदर्शों और अच्छे गुणों को समझने समझाने के रोचक सत्र हुए।

शुभलक्ष्मी महिला बैंक की निदेशक श्रीमती गीता मूंदड़ा ने अंग्रेजी के वाच (WATCH) शब्द के हिज्जों से व्यक्तित्व विकास के सूत्र समझाते हुए कहा कि हमेशा उचित वर्ड याने सही शब्दों का इस्तेमाल करो, सही एक्शन याने समर्पित प्रयास करो, अच्छे थॉट याने अच्छे विचारों को अपनाओ, कैरेक्टर याने अपने चरित्र में अच्छे गुणों को आत्मसात करो। हेल्थ याने अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमेशा सावधान रहो। आपका व्यक्तित्व निखरने लगेगा।

अतिथियों ने श्री सचिन बापट द्वारा लिखित बाल साहित्य पुस्तिका 'नेहा गई भिलाई' का विमोचन किया। प्रकाशक श्री अश्विन खरे तथा श्री बलराम अवस्थ एवं फ्री प्रेस समाचार पत्र के मार्केटिंग हेड श्री विवेक बर्वे ने भी शुभकामनाएं व्यक्त की।

इससे पूर्व सुश्री स्मिता बिरारी में सुर,सरगम, तीन ताल की जानकारी देते हुए गायन का अभ्यास कराया। योगाचार्य श्री बाला चैतन्य तथा सुश्री आरती द्विवेदी ने ताड़ासन,प्राणिक क्रिया, योगमुद्रा, वज्रासन जैसे योगासन और कुछ हास्यासन कराए। अतिथियों का स्वागत सर्वश्री आलोक खरे, संस्था सचिव श्री सुबोध भोरासकर, श्याम पांडेय, अर्चना सेन,अशोक कापडनिस, सुमित्रा डिसूजा,माया ढोने आदि ने किया। सत्र संचालन श्री ब्रजेश कानूनगो ने तथा आभार प्रदर्शन श्री श्याम पांडेय ने किया।

गेहूं खरीदी बढ़ाने पर सरकार का जोर

स्टाक 16 साल में निम्न स्तर पर

मध्य प्रदेश में खरीद घटने से केंद्र के लक्ष्य को झटका, सरकार ने सिर्फ मप्र से ही 80 लाख टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा है।

इंदौर, एजेंसी। सेंट्रल पुल में गेहूं का स्टाक एक अप्रैल की अवधि तक 75.02 लाख टन रह गया है। इससे पहले 2008 में 58.03 लाख टन गेहूं का स्टाक सेंट्रल पुल में बचा था, जो अब तक का न्यूनतम है। यानी 16 साल के मुकाबले अब सेंट्रल पुल में गेहूं का स्टाक निम्न सीमा पर है। इस बीच सरकार का ध्यान ज्यादा से ज्यादा गेहूं की खरीद पर लगा हुआ है। सरकारी स्टाक के लिए ज्यादा खरीद के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने निजी कारोबारियों को एमएसपी पर सरकारी खरीद जारी रहने तक बाजार से दूर रहने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने इस साल 372.9 लाख टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया है। हालांकि बाजार के जानकार इसे व्यवहारिक नहीं मान रहे। बाजार का अनुमान है कि 310 से 320 लाख टन के बीच खरीद अटक सकती है। कृषि मंत्रालय के अनुसार, देश में इस सीजन में गेहूं का उत्पादन 1120.2 लाख टन रह सकता है। जो कि एक रिकार्ड है।

इस बीच आंकड़े जारी हुए उसके अनुसार 13 अप्रैल तक गेहूं की खरीदी का आंकड़ा 27.2 लाख टन तक पहुंचा है। यह बीते साल से 7 प्रतिशत बेहतर है। इसी अवधि में बीते वर्ष 25.5 लाख टन गेहूं सरकारी एजेंसियों ने खरीदा था। बीते कुछ दिनों में मप्र में सरकारी खरीद को झटका लगा है। प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में हुई बरसात-बूंदाबांदी से खरीद प्रभावित हुई है। मध्य प्रदेश में बीते वर्ष इस अवधि में 20.06 लाख टन खरीद हुई थी जो इस साल 17.73 लाख टन रह गया है, जबकि सरकार ने सिर्फ मध्य प्रदेश से ही 80 लाख टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा है।

मप्र में सरकार समर्थन मूल्य 2275 पर 125 रुपये अतिरिक्त बोनस भुगतान भी करेगी। हालांकि व्यापारियों का कहना है कि छोटे किसान जो तुरंत नकद पैसा चाहते हैं, वे सरकारी खरीद को छोड़ मंडियों में ही गेहूं बेचना पसंद कर रहे हैं। दरअसल सरकारी खरीद में पहले टोकन मिलता है फिर उपज खरीद होती है। बाद में भुगतान आता है। उस पर भी बोनस आने में खासा वक्त लग सकता है। ऐसे में कई किसान लंबी प्रक्रिया की बजाय मंडियों में उपज बेचना पसंद कर रहे हैं।

इंदौर में अग्नि सुरक्षा के इंतजाम पूरे नहीं करने पर नवनीत प्लाजा सील

इंदौर, एजेंसी। फायर सुरक्षा संबंधित इंतजामों के अधूरा होने पर बुधवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पलासिया स्थित नवनीत प्लाजा को सील कर दिया। फायर सेफ्टी की जांच के दौरान नवनीत प्लाजा में कई अनियमितताएं मिली थी। सोसायटी को पहले नोटिस देकर फायर सेफ्टी नॉर्म्स को दुरुस्त करने का समय दिया था। इसके बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया था। इस कारण नवनीत प्लाजा को सील कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि प्रशासन ने मंगलवार को भी कई जगह कार्रवाई की थी और आगे भी कई और बिल्डिंग पर भी कार्रवाई की जाएगी।

होटल रायल इम्पेरिया को किया था सील

इससे पहले मंगलवार को जिला प्रशासन की टीम ने कैलोद करताल में संचालित होटल रायल इम्पेरिया को सील किया। चार मंजिला होटल में सेंट्रलाइज फायर सुरक्षा इंतजाम नहीं था। होटल में इसके लिए होज रील पाइप कनेक्शन भी नहीं लगाए गए। होटल संचालक ने फायर एनओसी भी नहीं ली। एसडीएम कल्याणी पांडे के मुताबिक पूर्व में इस होटल का निरीक्षण किया गया था, जिसमें अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थी। 28 मार्च को होटल प्रबंधन को नोटिस भी जारी किया गया था। इसके बाद मंगलवार को दोबारा होटल की जांच की। इसमें पाया गया कि पूर्व में होटल में हो एक्सपायर अग्निशमन यंत्र थे, उन्हें तो बदला गया लेकिन सेंट्रलाइज फायर सुरक्षा सिस्टम नहीं लगाया गया। होटल में रूफ टाप रेस्त्रां भी संचालित हो रहा था। होटल में रुके लोगों को अन्य स्थानों पर शिफ्ट किया गया।

नियमों का पालन नहीं होने पर दो बार सील

प्रशासन की टीम ने विजय नगर चौराहे के पास स्कीम नंबर 54 पर निर्मित मंगल सिटी माल का निरीक्षण किया। यहां पर संचालित हो रहे स्काई हाउस बार रेस्टोरेंट एवं म्यूनिसिपल लाउंज बार रेस्टोरेंट को नियमों के विपरीत होने पर सील किया गया। मल्हारगंज एसडीएम ओमनारायण बडकुल ने बताया कि बिना भवन अनुज्ञा एवं फायर सेफ्टी प्रोटोकाल का पालन नहीं होने पर दोनों पर कार्रवाई की गई। दोनों को पहले भी नोटिस जारी किया गया था। कार्रवाई में तहसीलदार शैवाल सिंह, थाना प्रभारी सीबी सिंह, नगर निगम की टीम मौजूद रही।

संपादकीय

नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कामयाबी

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने लोकसभा चुनाव के लिए मतदान के पहले नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने में सफलता पाई है। इससे स्थानीय नागरिकों में सही संदेश जाएगा तथा नक्सलियों को झटका लगा है। पुलिस के मुताबिक खुफिया जानकारी के आधार पर उसने नक्सलियों के गढ़ पर जोरदार हमला किया, जिसमें 29 नक्सली मारे गए हैं, जिनमें तीन तो इनामी कमांडर हैं। नक्सलियों से भारी तादाद में आधुनिक हथियार भी बरामद हुए हैं। हालांकि इस कार्रवाई में तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं, लेकिन उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जाती है। पुलिस और नक्सलियों के बीच यह मुठभेड़ बस्तर में 19 अप्रैल को होने वाले मतदान के ठीक पहले कांकेर के छोटेबेटिया के जंगल में हुई। नक्सलियों ने स्थानीय नागरिकों से मतदान का बहिष्कार करने की अपील की थी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्रवाई पर सभी सुरक्षा कर्मियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद विकास, शांति और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है। सुरक्षा बलों का यह संयुक्त इंटेलिजेंस बेस, जिसमें बीएसएफ के साथ-साथ डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड की टीमें शामिल थीं। डीजीपी आलोक सिंह के अनुसार पुलिस ने इस ऑपरेशन के लिए नई रणनीति बनाते हुए उस तरफ से हमला किया, जिसके बारे में नक्सली सोच भी नहीं सकते थे। इसमें दो राय नहीं कि नक्सल विरोधी अभियान में पुलिस की यह अब तक की सबसे बड़ी सफलता है। छग के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुताबिक नक्सली बस्तर और कांकेर में लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने की फिराक में थे, पुलिस ने उनके मंसूबों को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता बस्तर को नक्सल मुक्त करने की है। उल्लेखनीय है कि छग में इस माह तीन अप्रैल को बीजापुर में पुलिस ने 13 माओवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। इसके बाद छह अप्रैल को बीजापुर के ही पुजारी कांकेर में पुलिस ने तीन माओवादी मारे गए थे। अकेले बस्तर में इस साल जनवरी से अब तक 50 से अधिक माओवादियों का सफाया किया जा चुका है। मुठभेड़ में मारे जाने वालों में शंकर राव जैसा दुर्दांत नक्सली भी शामिल है। लेकिन इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि बस्तर में नक्सलवाद ने दम तोड़ दिया है अलबत्ता उसे झटका जरूर लगा है। नक्सली इस झटके से उबर कर फिर से नए सिरे से संगठित हो सकते हैं और बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। ऐसे में सरकार और पुलिस को यह नहीं मान लेना चाहिए कि नक्सलवाद दम तोड़ चुका है। अच्छी बात यह है कि पुलिस को अपने ऑपरेशन में लगातार सफलता मिल रही है और पुलिस का नुकसान भी नगण्य हुआ है। सरकार को और पुलिस को चाहिए कि वह नक्सलियों पर दबाव बनाए रखे तथा इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वालों पर भी कड़ा शिकंजा कसे। नक्सली हिंसा के बारे में हमारी स्पष्ट और दीर्घकालीन नीति होनी चाहिए, जो पार्टियों की सरकारें बदलने के बावजूद कायम रहना चाहिए। इस बीच नक्सल विरोधी अभियान के लिए केन्द्र सरकार ने भी राज्य सरकार की मदद बढ़ा दी है। नक्सली क्षेत्र में रोजगार और विकास की संभावनाएं लगातार बढ़ानी चाहिए और इस विचारधारा में फंसे लोगों की घरवापसी होनी चाहिए। सरकार ने कई आत्म समर्पित नक्सलियों का पुनर्वास भी किया है। इसे और तेज करने की जरूरत है। दूसरी तरफ आदिवासियों को भी लगने लगा है कि हिंसा के रास्ते से कुछ हासिल नहीं हो सकता। स्थानीय लोग दरअसल नक्सलियों और पुलिस के बीच पिसते रहते हैं। जैसे-जैसे नक्सलियों का दबाव कम होगा, स्थानीय लोग पुलिस और प्रशासन का ज्यादा सहयोग करने लगेंगे।

किस दल का घोषणा-पत्र कितना प्रभावशाली?

नजरिया

गिरीश पंकज

लेखक स्तंभकार हैं।

चुनाव के समय विभिन्न राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र जारी करते हैं। यह दरअसल लोक लुभावना घोषणा पत्र होते हैं, जिन्हें पढ़कर समझदार नागरिक अपनी मानसिकता बनता है कि आखिर किसे वोट देना है। हालांकि लोकतंत्र में अनुभव यह भी आया है कि ज्यादातर घोषणाएं सत्ता में आने के बाद लागू नहीं होतीं। उन्हें लंबित ही रखा जाता है। तारीख पर तारीख दी जाती है और वे घोषणाएं लागू नहीं होती। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने हाथ में गंगाजल लेकर कसम खाई थी कि हम शराब बंदी लागू करेंगे, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया । यह जनता के साथ एक तरह का छल है। इस पर ऐसी कुछ व्यवस्था बननी चाहिए कि सत्ताधीश दल अगर अपनी घोषणाओं को लागू नहीं करता, तो उसके अध्यक्ष या मुखिया को कानूनी तौर पर दंडित किया जाए। बहरहाल आगामी आम चुनाव को लेकर दो बड़े राष्ट्रीय दलों ने अपने-अपने घोषणा पत्र जारी कर दिए हैं। उनको मैं देख रहा था। एक सप्ताह पहले कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र न्याय पत्र के रूप में जारी किया, तो संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन पर भारतीय जनता पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। उसे संकल्प पत्र कहा है। दोनों दलों के घोषणा पत्रों को देखने के बाद मेरा अपना निष्कर्ष है कि भारतीय जनता पार्टी का घोषणा पत्र ज्यादा व्यावहारिक और राष्ट्रहित में लिए जाने वाले अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों से भरा पड़ा है, जबकि कांग्रेस का घोषणा पत्र राष्ट्र की चिंता करने के बजाय वोट बैंक को कैसे साधा जाए, इस उद्देश्य में अधिक नजर आता है। और कुछ घोषणाएं ऐसी हैं जो केवल हवा- हवाई है कि हम ऐसा करेंगे वैसा करेंगे। जैसे कांग्रेस ने कहा, भूमिहीन को जमीन दी जाएगी। राष्ट्रव्यापी आर्थिक सामाजिक जाति गणना होगी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के आरक्षित सभी खाली पड़े पद एक वर्ष के भीतर भरे जाएंगे। और व्यापक परामर्श के बाद समलैंगिक समुदाय के जोड़ों कानूनी मान्यता देने के लिए कानून बनाएगी। ये सारे चालाक वादे हैं। जो पूरे न भी हों तो यह कहा जाता रहेगा कि हम इसदिशा में काम कर रहे हैं । यह सब लटकाने वाली बातें हैं। युवाओं के लिए भी अनेक वादे हैं कि 30 लाख खाली पदों को भरा जाएगा। नौकरी देने की गारंटी वाला अधिनियम लाया जाएगा । 40 वर्ष से कम उम्र के युवकों को व्यवसाय शुरू करने के लिए फंड उपलब्ध कराया जाएगा। सभी शैक्षणिक ऋण की ब्याज की राशि माफ कर दी जाएगी। सबसे महत्वपूर्ण घोषणा है गरीब महिलाओं को प्रतिवर्ष एक लाख रुपये प्रदान करने वाली महालक्ष्मी योजना। यानी हर गरीब महिला को प्रतिमाह 8333 रुपये प्राप्त होंगे। यह ऐसा जबरदस्त जुमला है जो किसी भी सूरत में संभव नहीं है। लेकिन गरीब महिलाओं को आकर्षित करने के लिए घोषणा कर दी गई है । समझदार महिलाएं समझेंगी कि

यह बिल्कुल असंभव है , लेकिन जो बेचारी अनपढ़ हैं, भावना प्रधान हैं, वे प्रसन्न होकर कांग्रेस की ओर आकर्षित हो सकती हैं। किसानों के लिए भी कम से कम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा दिए जाने की घोषणा की गई है। कर्ज माफी आयोग भी गठन गठित किया जाएगा। न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 400 रुपये की जाएगी ।यह अच्छी घोषणा है। बशर्ते उसका पालन हो। कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों के हित के लिए भी कुछ योजनाएं घोषित की है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने यह घोषणा की है कि पचास प्रतिशत सरकारी नौकरी महिलाओं को देंगे और अग्निवीर योजना तुरंत खत्म करेंगे। कश्मीर की धारा 370 को पुन बहाल करने की बात भी कहीं जा रही है। कांग्रेस अल्पसंख्यक समुदाय के लिए पर्सनल लॉ की सीधे-सीधे उन्हें अपनी ओर आकर्षित करना है।

भाजपा का संकल्प पत्र

भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में मैं ज्यादातर घोषणाएं देश के उन्नयन को लेकर रखी गई है। जैसे पाँच साल तक गरीबों को मुफ्त राशन मिलता रहेगा। 3 करोड़ लखपति दीदी बनाई जाएँगी। देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। यह एक अपने आप में बहुत बड़ी साहसिक घोषणा है। यह घोषणा दर्शाती है कि भारतीय जनता पार्टी ने कथित वोट बैंक को खुश करने की कोशिश बिल्कुल नहीं की है। उसे राष्ट्र की चिंता है। एक राष्ट्र में एक चुनाव की घोषणा भी महत्वपूर्ण है। नई ट्रेनों को बढ़ाने की बात कही गई है और बुलेट ट्रेनों का भी विस्तार किया जाएगा। अभी अहमदाबाद से मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प भी भाजपा की सोच को दर्शाता है। वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए यह भी कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र में भारत स्थाई सदस्य बने इसका पूरा प्रयास होगा। भाजपा ने कांग्रेस की तरह महिलाओं को एक लाख रुपए सालाना देने की घोषणा नहीं की, वरन यही कहा कि किसानों को जो रू. 6000 वार्षिक मिलते थे, वे जारी रहेंगे। फसल बीमा योजना को और मजबूत बनाया जाएगा। इन पंक्तियों के लेखक ने एक नागरिक होने के नाते महसूस किया कि भारतीय जनता पार्टी की घोषणाएं देश को आर्थिक दृष्टि से मजबूत करने की मानसिकता को दर्शाती हैं । हालांकि दोनों दलों की घोषणाओं पर देश के आम मतदाताओं को गम्भीरतापूर्वक विचार करना है। यह देखना ज़रूरी है कि कौन सा दल सही मायने में उनके हित के बारे में सोच रहा है और कौन-कौन सी घोषणा ईमानदारी के साथ लागू होंगी। ऐसा नीरक्षीर विवेचन करके ही मतदाता वोट करेगा तो लोकतंत्र मजबूत होगा।

भारत रोजगार रिपोर्ट : 2024

चिंताजनक स्तर पर पहुंची युवा बेरोजगारी

अमित कोहली

लेखक एकलव्य फाउण्डेशन के साथ जुड़े रहे हैं।

भारत अपनी बढ़ती युवा आबादी के साथ, एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। 'मानव विकास संस्थान' (आईएचडी) और 'अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन' (आईएलओ) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई 'भारत रोज़गार रिपोर्ट- 2024' युवाओं में रोज़गार के बहुआयामी परिदृश्य पर प्रकाश डालती है। भारत की युवा आबादी विश्व में सबसे अधिक है। भारत का यह जनसांख्यिकीय लाभ हमारे लिए अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रस्तुत करता है।

'भारत रोज़गार रिपोर्ट-2024' से पता चलता है कि राष्ट्र में युवा बेरोज़गारी की समस्या चिन्ताजनक स्तर तक पहुँच गई है, खासकर शिक्षित युवाओं के बीच उच्च बेरोज़गारी चिन्ता का विषय है। भारत के युवाओं में कुल बेरोज़गारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो संकट को और भी बढ़ा देती है। इसके अलावा, महिला श्रमबल की भागीदारी में चिन्ताजनक गिरावट दर्ज की गई है, जो इस जटिल मुद्दे में एक और परत जोड़ती है।

वर्तमान में, भारत की कुल बेरोज़गार श्रमशक्ति में युवाओं की हिस्सेदारी आश्चर्यजनक रूप से 83 प्रतिशत है। इसके अलावा, कुल बेरोज़गारों में शिक्षित युवाओं का हिस्सा दो वर्षों के दौरान दोगुना हो गया है, वर्ष 2000 में यह 35.2 प्रतिशत था जो बढ़कर वर्ष 2022 में 65.7 प्रतिशत हो गया है। ये आँकड़े स्थिति की गम्भीरता को रेखांकित करते हैं और शिक्षित युवाओं द्वारा लाभप्रद रोज़गार के अवसर हासिल करने में आने वाली चुनौतियों को उजागर करते हैं।

इन चिन्ताजनक आँकड़ों के अलावा, महिला श्रमबल की भागीदारी में एक उल्लेखनीय गिरावट हुई है, जो समस्या को और भी बढ़ाती है। राष्ट्र के कामगारों में महिलाओं की कमी सिर्फ उनके आर्थिक सशक्तिकरण को ही नकारात्मक रूप से प्रभावित नहीं करती, बल्कि व्यापक सामाजिक चुनौतियों में भी इज़ाफा करती है।

भारत के श्रम प चिंताजनक स्तर पर पहुंची युवा बेरोजगार परिदृश्य की एक प्रमुख विशेषता अनौपचारिक क्षेत्र का रोज़गार है। 82 प्रतिशत श्रमशक्ति अनौपचारिक क्षेत्र के रोज़गार में लगी हुई है, जिसमें लगभग 90 प्रतिशत अनौपचारिक रूप से कार्यरत है। कुरियर डिलवरी, घर-घर खाना पहुँचाना, टैक्सी और रैपिडो मोटरसाइकिल पर सवारियाँ ढोना जैसे नए किस्म के रोज़गार बढ़ते हुए नज़र आते हैं। इनका जुड़ाव बड़ी-बड़ी कम्पनियों से है, लेकिन इनमें काम करने वाले युवा उन बड़ी कम्पनियों के कर्मचारी ना होकर स्व-रोजगार और अनौपचारिक काम की श्रेणी में आते हैं। अनौपचारिक काम की यह व्यापकता अर्थव्यवस्था और युवाओं के भविष्य के लिए सुरक्षित विकल्प नहीं है।

भारत के युवाओं ने पिछले दो दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उच्च शिक्षा, जो गुणवत्तापूर्ण नौकरियों तक पहुँचने का एक प्रमुख कारक है, अनेक लोगों के लिए अब सुलभ है। हालाँकि, केवल शिक्षा ही रोज़गार की गारंटी नहीं है। कक्षाओं से निकलकर युवाओं का कार्यस्थलों तक पहुँच पाना एक बड़ी बाधा बनी हुई है। रिपोर्ट इस अन्तर को प्रभावी ढंग से पाटने की आवश्यकता पर ज़ोर देती है।

शिक्षा प्रणाली को रटने के दायरे से बाहर निकलकर व्यावसायिक कौशलों पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट कहती है कि व्यावसायिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और अपरेंटिसशिप को पाठ्यक्रम में समाहित किया जाना चाहिए। साथ ही, उचित समय पर करियर परामर्श और मार्गदर्शन छात्रों को उनके शैक्षिक भविष्य के बारे में समझ-बूझकर निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं। रिपोर्ट कहती है कि शिक्षा को उद्योग की आवश्यकताओं के साथ मेल करके, हम रोज़गार क्षमता को बढ़ा सकते हैं और शिक्षा तथा कौशल की असंगतता को कम कर सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिवर्ष लगभग 70-80 लाख युवा श्रम बाज़ार में प्रवेश करते हैं। ये युवा विविध आकांक्षाएँ, कौशल और आशाएँ लेकर आते हैं। यद्यपि शैक्षिक उपलब्धियों में सुधार हुआ है, यानी नामांकन बढ़ा है, ड्रापआउट घटा है, स्नातक और उससे ज़्यादा शिक्षा प्राप्त करने की दर में इज़ाफा हुआ है, तथापि शिक्षा क्षेत्र की इन उपलब्धियों को सार्थक रोज़गार में बदलना एक चुनौती बनी हुई है।

श्रम बाज़ार की चुनौतियाँ शिक्षित युवाओं के बीच बढ़ती बेरोज़गारी दरों के कारण और भी बढ़ जाती हैं। वर्ष 2000 से 2019 तक युवा बेरोज़गारी में तिगुनी वृद्धि हुई, लेकिन वर्ष 2022 में 12.1 प्रतिशत तक गिरने का संकेत एक अस्थिर परिदृश्य को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, शिक्षित युवाओं की बेरोज़गारी दर वर्ष 2000 में 23.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2019 में 30.8 प्रतिशत हो गई, लेकिन वर्ष 2022 में यह 18.4 प्रतिशत तक गिर गई, जो रोज़गार की सम्भावनाओं के अस्थिर स्वरूप को दर्शाती है।

भारतीय श्रम बल का कृषि से गैर-कृषि क्षेत्रों में संक्रमण एक महत्वपूर्ण घटना है, जिसके परिणामस्वरूप रोज़गार पैटर्न और अनौपचारिक काम की प्रवृत्ति में बदलाव हुआ है। यह परिवर्तन 'भारत रोज़गार रिपोर्ट - 2024' के डेटा से स्पष्ट है, जो हाल के वर्षों के दौरान स्वयं रोज़गार, नियमित रोज़गार और आकस्मिक रोज़गार में हुए परिवर्तनों को दर्शाता है। अनौपचारिक रूप से रोज़गार प्राप्त व्यक्तियों की ज़्यादा तादाद ने इस वर्ग के लिए नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और लाभों को प्राप्त करने से सम्बन्धित मुद्दों की विफलता को उजागर किया है।

रिपोर्ट में रेखांकित किया गया है कि उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, जैसे 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' (एआई) का रोज़गार गतिविधियों पर प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' की प्रगति के कारण आउटसोर्सिंग उद्योग में आने वाले सम्भावित संकटों से निपटने के लिए त्वरित और ठोस उपायों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया है। रिपोर्ट में इसके युवा रोज़गार पर पड़ने वाले प्रभावों को समझने पर भी बल दिया गया है।

भारत के युवाओं के लिए एक समृद्ध भविष्य की ओर जाने का मार्ग सशक्तिकरण और अवसर निर्माण के लिए समन्वित और सहयोगी प्रयासों में निहित है। युवा सशक्तिकरण को प्राथमिकता देने वाले माहौल को बढ़ावा देकर, भारत अपने जनसंख्या लाभ की क्षमता का फायदा उठा सकता है। इसके परिणामस्वरूप सतत् आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सकता है। सतत् रोज़गार के पर्याप्त अवसर बनाने के लिए यह ज़रूरी है कि लक्षित नीतियों और पहलों के माध्यम से युवा राष्ट्रीय विकास में सक्रिय रूप से योगदान कर सकें।

भारत के युवा उसकी सबसे बड़ी सम्पत्ति हैं। इस जनसंख्या का फायदा उठाने के लिए नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और नियोक्ताओं को आपस में सहयोग करना होगा। शिक्षा, कौशल विकास और नौकरी निर्माण में निवेश आवश्यक है। 'भारत रोज़गार रिपोर्ट-2024' भविष्य की ओर मार्गदर्शन करती है जहाँ युवा आकांक्षाएँ श्रम बाज़ार की वास्तविकताओं के साथ सहजतापूर्वक मेल खा सकें।

गधे के आत्म विवेचन के शुद्ध मायने

कटाक्ष

-प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

गधे वाकई मेहनती होते हैं। उनकी मेहनत पर किसी को भी शक ओ सुबा नहीं है। ये गधे विदेश से आयातित मशरूम नहीं खाते। वे तो केवल घास के शौकीन हैं। वह भी देशी, अगर मिल जाए तो...। गधे और कुम्हार का संबंध जग जाहिर है। दोनों एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। शायद गधे पालने का पेटेंट कुम्हारोंको ही मिला है। वैसे इनके बारे में अधिकृत जानकारी यूं वायरल है किगुजरात के गधे बहुत मेहनती और काबिल होते हैं। इससे उनकी चर्चा देश तोछोड़ो विदेशों में भी होती है। यहां यह भी गौर फरमाइए कि पुष्कर का गर्दभमेला विदेशी सैलानी देखने के लिए आते हैं। इस मामले में अपन का मालवा भीपीछे नहीं है। ऐसा ही मेला उज्जैन में भी विख्यात है। इसका भी महिमामंडन खूब होता है। महिमामंडन से याद आया कि वर्तमान में महिमा मंडन नितांत ठेके पर है। इसका सबसे उत्तम माध्यम मीडिया नामक संचार तंत्र को माना गया है। इससे किसी को गुरेज भी नहीं होना चाहिए। हां, तो हम गधों की बात कर रहेथे। एक दिन माइक आईडी लेकर कुछ पत्रकारनूमा टोली भटक रही थी कि उन्हें रास्ते में एक गधा मिला। उनमें से एक पत्रकार को य बात सूझी की कुछ अलग हटकर किया जाए, जिससे कि टीआरपी भी मिले और चैनल के नंबर भी बढ़ जाए। गधे को रोककर उन्होंने कहा- हे गर्दभराज कुछ अपने बारे में बताइए जरा! आखिर गधा तो गधा ही ठहरा पहले तो वह सकपका गया। फिर उसकी दिव्य दृष्टि चैतन्यहो गई। उसने देखा कि ये लोग भी अपनी ही बिरादरी के दिखते हैं। जैसे मैं घास के लिए इधर-उधर भटकता रहता हूं। ये ख़बरनुमा घास तलाशते रहते हैं।

गर्दभराज ने कुछ सेकंड अपने नेत्र बंद किए और फिर बोल पड़ा- क्या बताऊँ अपने और अपने समाज के बारे में? मीडिया कर्मी उसके मुंह के पास माइक ठूंसते हुए बोला- तुम्हें जो बेहतर लगे। गर्दभ राज बोला- हमारे समाज मेंदो तरह की तड़(बिरादरी)है। पहली, जो चुपचाप अपने काम से काम रखती हैं। उनसे आप कितने ही घंटे काम करवा लो। वो बिल्कुल भी नहीं रेंकती। उसे काम का क्रेडिट भी नहीं चाहिए। दूसरी तड़ के गधे थोड़े स्मार्ट और वाचाल प्रवृत्ति के होते हैं। वे सिर्फ रेंकना जानते हैं और सिर्फ रेंकते रहते हैं। इनकी एक खासियत ये होती है कि ये रेंकने की हद पार कर जाते हैं। अपनी बात कह जाते हैं। ये किसी से भी नाता जोड़ लेते हैं। इनकी बिरदारीमें जाति बंधन नहीं होता। ये सिर्फ निज तंत्र और जनतंत्र के बारे में बाते करते हैं। मेहनती ये भी होते हैं। इनकी सबसे बड़ी खूबी यह होती है कि इनको सब हरा-हरा दिखता है और सामने वाला हारा-हारा दिखता है। इनके लिए सदा दिवाली और बारह मास वसंत होता है। ये सिर्फ और सिर्फ तारीफ पसंद होते हैं। अगर किसी ने इनकी या इनके कर्मों की आलोचना कर दी तो ये दुलत्तीअस्त्र का प्रयोग करने में भी नहीं हिचकते। अभी ये बात चल ही रही थी किउस गधे को हूंक उठी और वह रेंकने लगा। बाकी गधे नीचे गर्दन कर पीठ परबोझा उठाए चलते रहे। इधर, मीडिया को ब्रेकिंग मिल गई। प्राइम टाइम में गर्दभ विवेचन ऑन एयर हो गया।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

ये मेरा इंडिया... किंतु-परंतु-लेकिन, कुछ नहीं

प्रदीप मिश्र

एक समय था, जब कहीं-कहीं दीवारों और बसों पर 'आगे बढ़ता देश हमारा आओ इसेमहान बनाएं' लिखा दिखता था। बाद में ये शब्द दीवारों से गुम और मानव स्मृति से लुप्त हो गए। अचानक सामने आ गया 'मेरा भारत महान'। मतलब यह हुआ कि जो संकल्पना होती है, उसकी पूर्ति भी अवश्य होती है। नही होती है तो कागजों और नारों में तो इसे पूरा होना ही पड़ता है। जैसे सरकारी और निजी क्षेत्र में वसूली का लक्ष्य निर्धारित होता है। इसे हासिल करने वालों की जय-जयकार होती है। उनकी कार्यक्षमता की प्रशंसा होती है। सीधे कहा जाए तो किसी भी तरह की बढ़ोतरी में सहायक लोगों की वाहवाही होती है। पीठ पीछे लोग पैरोडी में 'सौ में निन्यानवे बेईमान' कहते रहें। कोई फरक नहीं अलबत्ता।

न जाने क्यों बेचैनलाल इसे मानने को तैयार नहीं हैं। वह हर बढ़ती हुई चीजऔर बात की प्रशंसा के विरुद्ध है। उनका कहना है कि अगर ऐसा है तो बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ाने वालों को भी बड़े से बड़े पुरस्कार देना चाहिए। इस समय तीनों विधाएं 'दिन दूनी रात चौगुनी' तरक्की कर रही हैं। इसमें किसी को भी दुविधा नहीं है। इसे प्रोत्साहित करने वालों को पुष्पगुच्छ और पत्रों (अर्थ समझिए) से सम्मानित करने का उचित समय आ गया है। सबसे बड़ी पंचायत के लिए चुनाव शुरू हो गए हैं। 19 अप्रैल को आगाज होगा और दो जून की रोटी पर चर्चा परिचर्चा और जुगाड़ के ठीक एक दिन पहले समापन। चार जून को दुनिया को पता चल जाएगा कि भारत के जन गण के मन ने क्या कहा। इंडिया का मूड क्या है। वैसे बेचैनलाल जानते हैं कि इन तीनों ही विषय मुद्दे नहीं बनते हैं। इन पर चुनाव नहीं होते हैं। सब महत्वहीन हो गया है। इन बातों का जिक्र कर घोषणा पत्र, संकल्प पत्र, न्याय पत्र और डाक्यूमेंट विजन जैसे आइटमों में तड़का लगाया जाता है। मतदाता, जो आजकल भाग्यविधाता है, इसे आत्मसात करे न करे। आत्ममुग्ध लोगों की उम्मीद दूसरों को असंतुष्ट कर देती है।

अखबारों में बेरोजगारी और महंगाई आर्थिक जगत की सामान्य सी गतिविधि है। उद्योग और कारोबार बढ़ रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। दोनों सरपट दौड़ रहे हैं। न कोई कछुआ और न ही कोई खरगोश। मंहगाई का भी यही हाल है। कितना सुखकारी लगता है, जब पता चलता है कि महंगाई के साथ-साथ सोना-चांदी की कीमत बढ़ रही है। सेंसेक्स लगातार चढ़ रहा है। हर ओर बढ़त है। शादी-ब्याह जैसी चढ़त है। कर्ज बढ़ रहा है। बंद होने वाले स्टार्टअप बढ़ रहे हैं। जातिवाद बढ़ रहा है। नाराजगी बढ़ रही है। गुस्सा बढ़ रहा है। ये घर-घर की कहानी है। इसे सुनना और समझना पाप है। चुगलखोरी करते हुए इसे दूसरों को बताना संताप है। आगे भी इसका बढ़ना सुनिश्चित है। चुप रहना ही इसका सरल प्रायश्चित है। दरअसल, ये अंतरआत्मा की आवाज जैसी पीड़ा नहीं, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और आनंद के लिए हंसी-ठिठोली है। शांति और समृद्धि के लिए मीठी गोली है। इन सभी को तेजी से बढ़ना ही नहीं, इसे फूटना भी चाहिए। फोड़ा-फुंसी नासूर बनने से पहले फूट जाता है तो बाद में होने वाले कष्ट से मुक्ति मिल जाती है। शायद इसीलिए पहले के कवि हौसला बढ़ाने के लिए लिखते थे-'वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो...'।

डॉलर बढ़ रहा है। रुपया लगातार गिर रहा है क्योंकि उसकी नीयत खराब है। कैसे कहें कि नीचे गिर रहा है। उसे अगर नेतृत्व अच्छा मिला होता तो उसकी ये नियति टाली जा सकती थी। कुछ वर्ष पहले रिजर्व बैंक की साफ-सफाई कर दी थी। फिर भी रुपये की हालत पतली है तो इसके लिए अप्रिय और अरुचिकर फैसला लेना न्याय संगत होगा। जब तक लोग 'घर का जोगी आनगांव का सिद्ध' का चातुर्दिक दृष्टिकोण से प्रभाव नहीं समझेंगे, तब तक इस गिरावट के एकमात्र विषय पर समग्रता से चिंतन और समाधान नहीं हो सकता है। समझना चाहिए कि रुपये के गिरावट के दौर में भी लोगों की चिंता भी ऊंचाई की ओर अग्रसर है। इसे ही विकास कहते हैं। प्रगति भी इसी का नाम है। इन सबकी गति बुलेट ट्रेन आते ही बढ़ जाएगी। इसके वास्ते खास प्रयोजन नहीं करना है। 'बस एक बार मेरा कहा मान लीजिए...' लोगों के दिमाग में भरना है। आगे आप सुनने लायक रहे तो ठीक नहीं तो जो होगा सो देखा जाएगा। ध्यान दें। बेरोजगारी और महंगाई के बारे में सोच कर बड़े-बड़े बयानवीर भी डर जाते हैं। वह गुनगुनाते हैं 'राह में उनसे मुलाकात हो गई। जिससे डरते थे वही बात हो गई...'।

इसीलिए बयानवीर दूसरी लाइन पर आ गए हैं। वे इतने बड़े हो गए हैं कि उन्हें धर्म का मर्म समझ आने लगा है। अच्छे कर्म नहीं किए होंगे इसलिए लोग खुल्लखुल्ला तो नहीं चुपके-चुपके बोल रहे हैं। 'बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर'। अर्थव्यवस्था के जश्न में बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के प्रश्न विचलित करने के साथ ही संकल्प की सिद्धि में व्यवधान के कारक बन सकते हैं। फिर भी जिनकी आत्मा जाग रही है या जाग जाती है। समझो बेरोजगारी और महंगाई उनसे दूर भाग रही है या भाग जाती है। कहते हैं कि 'कन्वर्जन' के बाद बड़ा से बड़ा आदमी परिवर्तन की बजाय 'परवर्जन' की ओर तेजी से जाता है। इसीलिए गरीबी, आर्थिक विषमता, सामाजिक विसंगतियों पर सवाल वीर रस के बयानवीरों के मन में असंतोष और आक्रोश बढ़ा सकता है, जो 'अच्छे दिन' को व्यवहारिक रूप देने में रुकावट बनेगा। इस हेतु की पूर्ति के लिए जेल जाने वालों की संख्या बढ़नी चाहिए। चंदा देने वालों की संख्या में वृद्धि अभीष्ट है। धंधा और फंदा इसी अनुपात में बढ़ेगा। कुछ दिन पहले मनरेगा की मजदूरी बढ़ा दी गई है। इससे पहले गलती से पेट्रोल-डीजल- रसोई गैस सिलिंडर की कीमतें कम कर दी गई थीं। जून की गर्मी में भूल सुधार करते हुए इसे वापस ले लिया जाएगा। फिर कहते रहिएगा-'हाय हाय ये मजबूरी, ये मौसम और ये दूरी...।'

भ्रष्टाचार अब एक ही तरफ रह गया है। सरकार चलाने वाले इस विधा का नाम भी नहीं जानते हैं। वे बिल्कुल अछूते हैं। अगर मुहावरे की भाषा में कहा जाए तो 'दूध के धुले' हैं। इसीलिए उनकी बातें सुनने के लिए जनसैलाब उमड़ता है। हर बात में कांव-कांव करने वालों के भ्रष्ट आचरण पर करारा प्रहार किया गया है। इससे उनकी हालत भिखारी जैसी हो गई है। दोनों 'जो गत तोरी सो गत मोरी, खेल बना ये कैसा। तुम हाथ पसारे वोट मांगते हम हाथ पसारे पैसा' कहते हुए नारा जैसा लगा रहे हैं। दोनों की बातों में तुकबंदी है। महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, शिक्षा और सेहत पर बात करने वालों के लिए ये सब गंदी है। फिर भी कुछ लोग लकीर के फकीर हैं। कहते हैं कि यह जुगलबंदी है और इसमें डूबने वाले प्राणिमात्र को परम आनंद का अनुभव होता है।

मुद्दा

श्याम कुमार कोलारे

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

विवाह की बढ़ती उम्र से जूझता युवा वर्ग

आज हर वर्ग एक चिंताजनक दौर में साफ़ नजर आ रहा है; अधिक उम्र तक युवक-युवतियों की शादी न होना। इसको लेकर आज सभी समाज काफी चिंताग्रस्त है। लड़के की उम्र 30 के पार जाने लगी है परन्तु शादी की बात करे तो इस उम्र तक उनकी शादी न होना एक सामाजिक समस्या बनकर उभर रही है। यह समस्या इतनी विकराल होती जा रही है कि लड़के एवं लड़कियों की उम्र 30-35 पार करने पर भी वे कुँवारे बैठे है; यही कारण है कि लड़के-लड़कियों में एक अवसाद की स्थिति उत्पन्न होती जा रही है। इसका एक मुख्य कारणों में तेजी से समाज में परम्पराओं का बदलता दौर शामिल है। हर माँ-बाप अपने बच्चों को पढ़ा-लिखा कर अपने पैर पर खड़ा करने के लिए अपना सारा जीवन लगा देते है, बेटा-बेटी को अच्छी शिक्षा-दीक्षा देने के लिए हर संभव कोशिश करता है। यह सब उपक्रम बच्चों की कवलियत हो बढ़ा रहा है परन्तु कावलियत और सरकारी नौकरी की अंधी दौड़ में सभी युवा वर्ग इस तरह दौड़ लगा रहा है कि उनके जीवन के सुन्हेरे पल की कुर्वानी देकर यह लक्ष्य हासिल करने के लिए बहुत सी सामाजिक परम्पराओं को आड़े हाथ लेने से नहीं चूकते।

सरकारी नौकरी वाले वर की चाहत- आज मध्यम वर्गीय परिवार से लेकर उच्च वर्गीय परिवारों में ऐसी होड़ सी लग गई है जिसमे सब अपनी बेटियों को सरकारी नौकरी पेशा के घर शादी करना चाहते है। किसी सरकारी नौकरी के लड़के को देखकर उसके घर लड़की देने की जैसे होड़ लग जाती है सरकारी नौकरी नहीं उसके पास अलादीन का चिराग हो जो हर आदेश पर आपने आका की मन मुराद इच्छा पूरी करने के लिए तैयार बैठा हो। सरकारी नौकरी वाले लड़के-लड़कियाँ वाले भी सरकारी नौकरी रुपी मैजिक छड़ी से अपने आपको दूसरे से अलग छबी एवं दायरा बना लिए है। क्या कम पढ़ा लिखा होना, या किसी प्रकार का निजी व्यवसाय, निजी संस्थानों में जॉब करने वालो की जीवन शैली सरकारी नौकरी वाले से हमेशा कम होती है ? पता नहीं लोगो के मन में क्या चल रहा है! 'हर राजा जनक अपनी अपनी बेटी को दसरथ जैसे महान वैभवशाली राजा के घर राम जैसे वर के साथ विवाह करवाना चाहते है। परन्तु मेरी समझ में इस वैभव का उस समय कोई मूल्य नहीं होता जब किस्मत में वनवास ही लिखा हो। स्थिति एवं परिस्थिति विपरीत होने पर मनुष्य के धन, वैभव, प्रतिष्ठा, पद ये कुछ काम नहीं आते।'

बढ़ती उम्र में शादी न होना एक अवसाद की स्थिति- कहने का अभिप्राय एकदम सीधा है अच्छे से जीवन जीवन-यापन करने का कौशल एवं प्रतिभाशाली लड़के को अपनी कन्या का जीवन साथी चुन सकते है, रही बात उनकी जीवन शैली में परिवर्तन लाना; आपको अपने आप पर विश्वास होना चाहिए कि जिस बेटी को आपने अच्छी शिक्षा-दीक्षा दी है वह अपने इस कौशल से अपने जीवन को सवारने की शक्ति रखती है। बढ़ती उम्र तक बेटियों की शादी न होना उसमें सामाजिक रूप से सभी को एक मत होकर सोचना होगा कि जीवन का एक महत्वपूर्ण पुरुषार्थ को समय पर पूर्ण करना एक सामाजिक धर्म है। आज की परिस्थितियों को देखकर यह स्पष्ट नजर आने लगा है कि लड़के-लड़कियों के जवां होते सपनों पर न तो किसी समाज के कर्ता-धर्ताओं की नजर है और न ही किसी रिश्तेदार और सगे संबंधियों की। हमारी सोच एवं मानसिकता; हमें क्या मतलब है में; उलझ कर रह गई है। निसंदेह यह सच किसी को कड़वा लग सकता है, लेकिन हर समाज की हकीकत यही है। यह बात से सभी बाकिफ है कि पूर्ण मानसिक रूप से परिपक्वता 25-30 वर्ष तक लड़कियों में आ जाती है, लड़कियों में 18-25 के बीच का दौर ससुराल के वातावरण, परिस्थिति, रिश्ते-नाते एवं सम्रद्धि की सोच विकसित करने का दौर होता है, उसे यहाँ कई जिम्मेदारियों एवं अवसर को सीखने का मौका मिलता है जो जीवन को खुशहाल एवं जीवन शैली को परिपक्वता लाने में मददगार होता है; वही इस उम्र तक शादी न होना इस पक्ष को कमजोर बनता है एवं अधिक उम्र में शादी ससुराल में सामंजस को संघर्षमय बनाता है; क्योंकि उनकी आदतें पक्की और मजबूत हो जाती हैं अब उन्हें मोड़ा या झुकाया नहीं जा सकता जिस कारण घर में बहस, वाद विवाद, तलाक जैसे परिस्थिति हो जाती है, जिससे लड़का-लड़की में अवसाद की स्थिति उत्पन्न होती है।

आधुनिक जीवन शैली का प्रभाव- आधुनिक जीवन शैली एवं अधिक शिक्षा-दीक्षा के चलते अभी सरकार ने शादी के लिए लड़की की उम्र 18 साल से बढ़ाकर 21 साल का करने का फैसला लिया है। यहाँ तक ठीक है कि शादी कम से कम 21-22 वर्ष तक हो जानी चाहिए। यह लड़के के लिए भी लागू हो कि उनकी शादी 25 तक हो ही जाये वह अपने जीवन का लक्ष्य इसके बाद भी पूरा कर सकते है। ससुराल के लोग बहु को बेटी जैसी सुविधायें एवं अधिकार दे, शादी के बाद भी उसकी शिक्षा एवं अवसर को हासिल करने का मौका प्रदान करें तो यह चुनौती कभी चिंता नहीं बनेगी। एक समय था जब संयुक्त परिवार के चलते सभी परिजन अपने ही किसी रिश्तेदार व परिचितों से शादी संबंध बालिग होते ही करा देते थे। मगर बढ़ते एकल परिवारों ने इस परेशानी को और गंभीर बना दिया है। अब तो स्थिति ऐसी हो गई है कि एकल परिवार प्रथा ने आपसी प्रेम व्यवहार ही खत्म सा कर दिया है। अब तो शादी के लिए जांच पड़ताल में और कोई तो नकारात्मक करें या न करें अपनी ही खास सगे संबंधी नकारात्मक विचार से संबंध खराब कर देते है।

उच्च शिक्षा एवं रोजगार के चलते बढ़ती उम्र- वैसे हम सब को भलीभांति ज्ञात है कि शिक्षा शुरू से ही मनुष्य के लिए एक मूल आवश्यकता रही है, इसके वदौलत ही हमें अपने जीवन को निखारने के नये आयाम मिलते है लेकिन पिछले दो दशक से इस आवश्यकता को उच्च शिक्षा एवं भरण-पोषण वाली डिग्री के तरफ बढ़ते अंधाधुंध प्रभाव देखा जा सकता है। इस कारण से लगभग सभी लड़के-लड़कियों की उम्र 25 पार हो रही है, 25 के बाद 2-3 साल जॉब, बिजनेस करने के बाद शादी की बात का नम्बर लगता है। इसके चलते लड़के-लड़कियों की उम्र 30 के आसपास हो जाती है, इस समय तक रिश्ता हो गया तो ठीक नहीं तो इसके बाद लोगो का नजरिया बदल जाता है और अधिक उम्र के लड़के-लड़कियों से रिश्ता ज़माने में कई सबाल उठने लगते है।

अरमानों और सपनों की चाहत- हर परिवार अपने और अपनी लड़की की चाहत का ख्याल रखते हुए जीवन साथी की तलाश में जुटे होते है। बेटी के ससुराल में जीवन के विलासिता से जुडी सारी सुविधायें खोजते-खोजते लड़की की बढती उम्र का भान भी नहीं रहता। लड़के पक्ष की तगड़ी कमाई एवं सपने पूरे करने का हर समान का होना; जैसे शादी की मुख्य शर्त हो, कई बार उसके कौशल एवं संस्कार को परे रखकर हैसियत पर आकर बात अटक जाती है। परन्तु जिस चीज को हम लड़के में एवं उसके परिवार में खोजते फिरते है; क्या इस चीज के लिए अपना स्वयं का बेटा पूर्ण करने में समर्थ है या दूसरे की बेटी लाने के लिए यह शर्त पर हम स्वयं खरे उतरते है; आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। शायद ही कोई परिवार होगा जो आदिकाल से अमीर रहा हो, सभी अपने जीवन में संघर्ष करते हुए इस मुकाम तक पहुँचे है। जब हम एक अच्छा मुकाम तक पहुच गए है, संघर्ष से डरने की क्या बात! अपने कौशल से सभी अपने लक्ष्य तक पहुँचे है, इसके लिए हमें अपने बेटा-बेटी को तैयार करने की आवश्यकता है।

एकाकीपन से हटकर मिडएटर बनना होगा- उम्र का इस पड़ाव में आने के बाद न केवल लड़का-लड़की बल्कि उनके माता-पिता, भाई-बहिन, घर परिवार और सगे सम्बंधियों की चिंता बढ़ता है वल्कि सभी की तमाम कोशिशे भी असफल हो जाती है, यदि कभी इन कोशिशों से बात जम भी गई तो यह बात कहना मुश्किल है कि यह रिश्ता कितना सफल होगा। हम सभी जानते है कि शादी-विवाह के लिए किसी न किसी मिडएटर की जरुरत पड़ती है परन्तु इस उम्र में कोई मिडएटर की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहता। परन्तु रिश्ता ज़माने में मिडएटर का एक बहुत बड़ा योगदान होता है; इसलिए सभी को निःस्वार्थ यह दायित्व निभाने के लिए अवश्य आगे आना चाहिए। यदि हम किसी के लिए मिडएटर नहीं बनेंगे तो हमारे लिए कौन मिडएटर बनेगा? यह भी देखा गया है कि बड़ी उम्र में शादी न जुड़ने की वजह से कई परिवार को अपनी मनोकामना के लिए मंदिर, पूजा -पाठ, भगवान को मनाने के लिए दान दक्षिणा में उलझ जाते है और अपना पैसा व समय बर्वाद करते है। बगैर मिडएटर के कोई मेट्रोमोनी व बायोडाटा से सम्बन्ध होना मुश्किल ही होता है। मिडएटर का सामाजिकता से हटकर एकांकीवाद का शिकार होते जा रहे है।

युवा मन की उलझन- इस उम्र में अपनी व्यथा सुनाने के लिए कहाँ जाए युवा मन? बस युवा अपने भाग्य के भरोसे अपने आपको ठगा सा महसूस करने लगता है। अपने उम्र के किसी लड़का या लड़की को अपने जीवन साथी के साथ देखकर उसके मन में अपने-आपके प्रति आपमान का महसूस करने लगता है। ऐसे समय में युवा मन आपनी आत्मग्लानी से परिपूर्ण होने लगता है, मन में अवसर का कडवा घूट पीने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इस स्थिति में कई बार लड़के-लड़कियाँ गलत कदम उठाने को मजबूर हो जाते है जिसका एक सभ्य समाज कल्पना भी नहीं करता।

समाज को आगे आना होगा- हर वर्ग बेटा-बेटियों की शादी के लिए जूझते हुए देखा जा सकता है; हर परिवार किसी न किसी प्रकार से इस समस्या का सामना कर रहा है। लोग आज समाजसेवा के लिए व समाज में नाम कमाने के लिए लाखो रूपये खर्च करने से नहीं कतराते है लेकिन अवसाद यह है कि हर समाज में बढती उम्र में शादी के विषय में चर्चा करने के लिए समय ही नहीं है। 'जिसका दोना ढरकेगा वही रुखा खायेगा' इससे समाज को क्या लेना-लेना। यह भावना बहुत चिंताजनक है। समाज की ऐसी सोच से समाज विकास संभव नहीं है उन्हें अपने दायित्वों से दूर न होकर इस और अपना ध्यान आकर्षण कर इस चिंता से निलकने के विषय में घोर चिंतन करने की आवश्यकता है। हो सकता है कि इस मुद्दे में बहुत से सामाजिक संस्थाओं ने काम किया भी होगा; परन्तु यह मिशन के रूप में सभी समाज में चलाने की आवश्यकता है जिससे इस मुद्दे का एक सकारात्मक समाधान नजर आयें। हम सब को एक मंच में आकर सकारात्मक सोच के साथ ऐसे लड़को-लड़कियों व परिवार की सोच को बदलने हेतु सभी को मजबूत पहल के साथ लड़का-लड़कियों की यथासंभव रिश्ता करवाने का प्रयास करे। यह छोटी सी पहल एक बड़ी चिंता एवं चुनौती से मुक्त करने के लिए एक उज्ज्वल कदम साबित हो सकता है।

(विश्व धरोहर दिवस 18 अप्रैल के उपलक्ष्य में)

चेतनादित्य आलोक

वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं राजनीतिक विश्लेषक, रांची, झारखंड

धरोहरों का महत्व अब समझने लगी है दुनिया

प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को भारत समेत दुनिया भर के देशों में 'विश्व धरोहर दिवस' मनाया जाता है। यह आयोजन अपने पुरखों से प्राप्तअनमोल धरोहरोंअथवा विरासतों के प्रति महज रस्म अदायगी भर ही नहीं होता, बल्कि इस विशेष दिवस का आयोजन दुनियाभर में मानव सभ्यता से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों एवं अन्य धरोहरों के संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाता है।इसीलिए दुनिया के कुछ देशों में इस दिन को 'स्मारकों और स्थलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के नाम से भी जाना जाता है। देखा जाए तो किसी भी राष्ट्र का इतिहास उसके वर्तमान और भविष्य की नींव होता है। सामान्यतः जिस देश का इतिहास जितना गौरवमयी होता है, वैश्विक स्तर पर उसका स्थान उतना ही ऊंचा माना जाता है। हालांकियह सच है कि बीता हुआ कल कभी वापस नहीं आता, लेकिन उस काल में बनीं इमारतें, लिखे गए साहित्य एवं अन्य साक्ष्य आदि उन्हें हमेशा सजीव बनाए रखते हैं। यही कारण है कि किसी भी देश के लिए उसकी धरोहरें अमूल्य निधि होती हैं। ये धरोहरेंकिसी भी राष्ट्र की सभ्यता और उसकी प्राचीन संस्कृति के महत्त्वपूर्ण परिचायक मानी जाती हैं। देशों और समाजों की पहचान, वहां की सभ्यता, सामाजिक एवं सांस्कृतिकइतिहास आदि की जानकारी इन धरोहरों के माध्यम से ही ज्ञात होती है। गौरतलब है कि आज ये धरोहरें देशों और समाजों का गौरव बढ़ाने के साथ ही उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध करने का कार्य भी कर रही हैं।

यही कारण है कि दुनिया के तमाम देश चाहे वे विकसित हों या विकासशील, अब इन धरोहरों के महत्व और मूल्य को न केवल अच्छी तरह से समझने लगे हैं, बल्कि उनका लाभ भी उठाने लगे हैं। चाहे यूरोप के देश हों या अमेरिका के, चाहे अफ्रीका के देश हों अथवा ऑस्ट्रेलिया के, आज पुरखों से प्राप्त विरासतों अथवा धरोहरों का महत्व सभी को समझमें आने लगा है। आज सबको पता है कि उनकी अर्थव्यवस्था में इन धरोहरों का कितना बड़ा योगदान है। दरअसल, इन धरोहरों को देखने के लिए लाखों पर्यटक प्रत्येक वर्ष एक राज्य से दूसरे राज्य अथवा एक स्थान से दूसरे स्थान एवं एक देश से दूसरे देश की यात्रा करते रहते हैं। हालांकि अधिकतर देश इस बात को प्रकट करने से सकुचाते हैं कि उनकी अर्थव्यवस्था में उनकी विरासतों का कोई बड़ा योगदान है। वैसे देखा जाए तो ये धरोहरें विभिन्न देशों, समाजों, समुदायों और संस्कृतियों के बीच बेहतर संबंध बनाने में भी बड़ी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कई बार तो दो देशों के बीच के कूटनीतिक संबंधों को भी ये धरोहरें मधुर एवं सुगम बनाने में सहायक साबित होती हैं। वास्तव में इन सभी विशेषताओंके कारण ही आज दुनिया भर में धरोहरों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए जाने लगे हैं। बता दें कि ये धरोहरें वैसे तो अनेक प्रकार की होती हैं, परंतु मुख्यतः इन्हें तीन भागों में विभक्त किया जाता है-नैचुरल वर्ल्ड हेरिटेज, कल्चरल वर्ल्ड हेरिटेजएवं मिक्स्ड वर्ल्ड हेरिटेज यानी प्राकृतिकविश्व धरोहरश्रेणी, सांस्कृतिकविश्व धरोहर श्रेणी एवं मिश्रित विश्व धरोहर श्रेणी।

बहरहाल, 'विश्व धरोहर दिवस' मनाने की दिशा में सर्वप्रथम1968 में विश्व प्रसिद्ध इमारतों और प्राकृतिक स्थलों की रक्षा के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा प्रस्ताव रखने के बाद सन् 1972 में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान इसे संयुक्त राष्ट्र के संज्ञान में लायागया था। तत्पश्चात् यह प्रस्ताव पारित हुआ और विश्व के लगभग सभी देशों ने मिलकर दुनिया के तमाम ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को बचाने की शपथ ली। इस प्रकार'यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर' अस्तित्व में आया। बता दें कि 18 अप्रैल 1978 में पहली बार विश्व के कुल 12 स्थलों को विश्व विरासत स्थलों की सूची में शामिल किया गया था। तब इस दिन को 'विश्व स्मारक दिवस' के रूप में मनाया जाता था। वर्ष 1983 के अप्रैल महीने में पहली बार संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को ने भविष्य की पीढ़ियों को अपने पुरखों से प्राप्त सांस्कृतिक धरोहरों से परिचय कराने तथा उनके प्रति प्रेम का भाव जगाने के लिए इस दिवस की रूपरेखा तैयार की और'वर्ल्ड हेरिटेज डे' यानी 'विश्व विरासत या धरोहर दिवस' के रूप में इसे मान्यता प्रदान कर दी। उसके बाद से प्रायः प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को पूरी दुनिया में अपनी-अपनी विरासतों की विविधताओं का उत्सव मनाने की परंपरा शुरू हुई। हालांकि 'इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ मोनुमेंट्स एंड साइट्स' यानी'स्मारकों और स्थलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय परिषद' (आईसीओएमओएस) के तत्वावधान में यह दिवस18 अप्रैल 1982 को ही ट्यूनीशिया में मनाया गया था।

गौरतलब है कि वर्ष 2011 तक सम्पूर्ण विश्व में कुल 911 विश्व विरासत स्थल चिह्नित किए जा चुके थे, जिनमें 704 ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक, 180 प्राकृतिक और 27 मिश्रित स्थल शामिल हैं। हालांकि वैश्विक स्तर पर धरोहरों की अद्यतन सूची के अनुसार फिलहाल दुनियाभर में कुल 1052 विश्व धरोहर स्थल मौजूद हैं। इनमें से 814 स्थल सांस्कृतिक विश्व धरोहर श्रेणी की हैं, जबकि 203 स्थल प्राकृतिक विश्व धरोहर श्रेणी की और 35 स्थल मिश्रित विश्व धरोहर श्रेणी की हैं। वहीं, भारत में फिलहाल कुल 42 विश्व धरोहर स्थल माजूद हैं। इनमें से 34 सांस्कृतिक विश्व धरोहर श्रेणी की हैं, जबकि 07 प्राकृतिक विश्व धरोहर श्रेणी की और 01 मिश्रित विश्व धरोहर श्रेणी की हैं। वैसे भारतीयों के लिए प्रसंन्नता की एक विशेष बात यह भी है कि भारत को पहली बार 'यूनेस्को विश्व धरोहर समिति' की अध्यक्षता और मेजबानी के लिए चुना गया है। दरअसल, यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र का आयोजन भारत की राजधानी नई दिल्ली में होने वाला है, जो 21 जुलाई को आरंभ होकर 31 जुलाई 2024 तक चलेगा। बता दें कि यूनेस्को की यह विश्व धरोहर समिति उन स्थलों का चयन कर उन्हें चिह्नित करने का कार्य करती है, जिन्हें बाद में यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों के रूप में सूचीबद्ध किया जा सकता है।विश्व धरोहर समिति में इस समयकुल 21 देश शामिल हैं, जो इस प्रकार हैं-भारत, जापान, अर्जेंटीना, इटली, जमैका, बेल्जियम, बुल्गारिया, ग्रीस, कजाकिस्तान, केन्या, लेबनान, मैक्सिको, कतर, दक्षिण कोरिया, रवांडा, सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनेडाइंस, सेनेगल, तुर्की, यूक्रेन, वियतनाम और जाम्बिया।

फिट रहिए टेम्पटिंग नहीं

फिट और टेम्पटिंग होने में अंतर है। ज़्यादातर महिलाएं अपने को सजाने में समय बर्बाद करती हैं। ताकि मैं सुंदर और कामुक दिखूँ। यहीं से आपके शरीर का सत्यानाश होता हैं। आप स्वस्थ रहने में ध्यान नहीं देती। अगर आपसे पूछाजाए यह झूठी पालिश करने से क्या लाभ होता हैं। तो जबाब गोल- मोल मिलेगा। मुझे अच्छा लगता है।क्योंकि वह दिमागी फ़ितूर है। हाँ सजना सँवरना भी सकारात्मक महसूस कराता है तो कीजिए। अपने आप को स्वस्थ रखने के लिए।

आप योगा कीजिए,आप जीम जोइन कीजिए। आप खाने पीने पर ध्यान दीजिए,बेवजह तेल-मसाले से पूर्ण भोजन लेने से बचिए। बाजार के खाना से परहेज़ रखिए। खानेमें सलाद,फल का प्रयोग ज़्यादा कीजिए। गर्मी आपके दरवाजे पर दस्तक दे चुकी हैं। आप पेय पदार्थ का इस्तेमाल ज़्यादा करें तो और बेहतर। घर में शर्बत, सत्तू,लस्सी, ज़ीरा पानी बना कर पीजिए और घर के लोगों को पिलाइए। डब्बा बंद पेय पदार्थों को पिलाकर आप समय तो बचा सकती हैं,लेकिन स्वास्थ्य नहीं। आपके शरीर में लिक्विड की मात्रा बढ़े रहने से स्फूर्ति और ताज़गी बनी रहती है। और आपका मन भी अपने कार्यों में लगा रहेगा। इस मौसम में लोगों के अंदर आलस ज़्यादातर बना होता है कई लोग सुबह की प्यारी नींद में अलसाये रहते है और उनकी गाड़ी छूट जाती हैं। और आप फ़िर एक कदम पीछे। यह तब होता है जब आप मानसिक और शारीरिक तौर पर कमज़ोर होते हैं। भरपूर नींद लीजिए पर एक समय पर। कई बार वर्कलोड इतना होता है जो हमारी नींद पूरी नहीं होती,और हम टायर्ड रहते हैं। बीमार रहने का यह भी एक कारण हैं। शरीर को फीट रखने के लिए भरपूर पानी, हेल्दी फूड,योग बेहद महत्वपूर्ण हैं। स्मोकिंग करने से बचिए। आप स्वस्थ रहेंगे तभी आप तन मन दोनों से फिट दिखेंगे।। फीट रखने के लिए खुद का केयर करना बेहद ज़रूरी हैं।आप सही देखरेख में अपने को फिट ज़्यादा रख सकती हैं। इससे आपका शरीर स्वस्थ रह सकता है। अपने को फिट रखिए टेम्पटिंग नहीं।

सेहत

- रानी प्रियंका वल्लरी

पर्यावरण

- उपेन्द्र शंकर

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

कंपनियों के कब्जे में पीने का पानी

उत्तरी केन्या, दक्षिणी इथियोपिया और सोमालिया के कुछ हिस्सों में ऑक्सफैम ने पाया कि 2023 में 90 प्रतिशत पानी के बोरहोल सूख गए थे। इसके अलावा, क्षेत्र में 5 में से 1 व्यक्ति के पास पर्याप्त सुरक्षित पेयजल तक पहुंच नहीं थी। 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' ने निष्कर्ष निकाला कि जलवायु संकट के कारण हॉर्न-ऑफ-अफ्रीका में सूखा अधिक गंभीर हो गया था और वैश्विक हाई टेम्परेचर के कारण इसी तरह के सूखे की संभावना 100 गुना अधिक हो गयी थी। जलवायु-प्रेरित चरम मौसम की घटनाओं के बावजूद, जिसने जल-संसाधनों पर दबाव बढ़ा दिया है, प्रमुख कंपनियों ने अपने व्यवसाय मॉडल में बदलाव नहीं किया है। उदाहरण के लिए, पानी को बोतलबंद करना और पुनः बेचना एक सामान्य कॉर्पोरेट प्रथा है, जो 'संयुक्त राष्ट्र संघ' के अनुसार, सभी के लिए सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के 'सतत विकास लक्ष्य' (एसडीजी) में बाधा डालती है।

वैश्विक गैर-सरकारी संस्था (एनजीओ) ऑक्सफैम (ऑक्सफोर्ड कमेटी फॉर फेमिन रिलीफ) द्वारा 21 मार्च 2024 को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की सबसे प्रभावशाली खाद्य और कृषि कंपनियों में से केवल एक चौथाई ने ही अपने पानी के उपयोग को कम करने और जल प्रदूषण को कम करने का वादा किया है।

ऑक्सफैम का विश्लेषण 22 मार्च को 'संयुक्त राष्ट्र संघ' के 'विश्व जल दिवस' से एक दिन पहले आया है। यह बताता है कि 'संयुक्त राष्ट्र संघ' के आंकड़ों के मुताबिक दो अरब लोग अभी भी विश्वसनीय रूप से सुरक्षित पेयजल तक नहीं पहुंच सकते हैं, जबकि ताजे पानी की निकासी का लगभग 70 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में जाता है।

ऑक्सफैम-फ्रांस के कार्यकारी निदेशक सेसिल डुफ्लोट ने एक बयान में कहा कि 'जब बड़े निगम पानी को प्रदूषित करते हैं या भारी मात्रा में पानी का उपभोग करते हैं, तो लोगों को इसकी कीमत खाली कुओं, अधिक महंगे पानी के बिलों और दूषित व 'पीने योग्य नहीं' वाले जलस्रोतों के रूप में चुकानी पडती है।' 'कम पानी का मतलब है, अधिक भूख, अधिक बीमारी और अधिक लोगों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना।'

ऑक्सफैम का विश्लेषण 'विश्व बेंच-मार्किंग एलायंस' की 350 सबसे प्रभावशाली खाद्य और कृषि कंपनियों के डेटा पर आधारित है। इनमें 'बायर,' 'कारगिल' और 'टायसन' जैसी कृषि कंपनियां शामिल हैं; 'नेस्ले,' 'कोका-कोला' और 'पेप्सिको' जैसे खाद्य और पेय निर्माता; 'वॉलमार्ट,' 'क्रोगर' और 'कैरेफोर' जैसे प्रमुख खुदरा विक्रेता; और 'मैकडॉनल्ड्स' और 'स्टारबक्स' जैसे रेस्तरां भी शामिल हैं।

ऑक्सफैम ने पाया कि इनमें से केवल 28त्न कंपनियों के पास पानी के उपयोग को कम करने की योजना है और केवल 23त्न के पास जल-प्रदूषण को रोकने की योजना है। साथ ही, आधे से भी कम कंपनियों - 350 में से 108 - ने यह भी बताया कि उन्होंने पानी की कमी वाले स्थानों से कितना पानी लिया है।

पानी की कमी वैश्विक कल्याण के लिए एक बड़ी बाधा है, जलवायु संकट पहले से ही समस्या को बढ़ा रहा है। 'संयुक्त राष्ट्र संघ' के 'जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल' (आईपीसीसी) के अनुसार, वर्तमान में पृथ्वी पर लगभग आधे लोग हर साल कम-से-कम एक महीने के लिए पानी की गंभीर कमी का अनुभव करते हैं। उत्तरी केन्या, दक्षिणी इथियोपिया और सोमालिया के कुछ हिस्सों में ऑक्सफैम ने पाया कि 2023 में 90 प्रतिशत पानी के बोरहोल सूख गए थे।

इसके अलावा, क्षेत्र में 5 में से 1 व्यक्ति के पास पर्याप्त सुरक्षित पेयजल तक पहुंच नहीं थी। 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' ने निष्कर्ष निकाला कि जलवायु संकट के कारण हॉर्न-ऑफ-अफ्रीका में सूखा अधिक गंभीर हो गया था और वैश्विक हाई टेम्परेचर के कारण इसी तरह के सूखे की संभावना 100 गुना अधिक हो गयी थी।

जलवायु-प्रेरित चरम मौसम की घटनाओं के बावजूद, जिसने जल-संसाधनों पर दबाव बढ़ा दिया है, प्रमुख कंपनियों ने अपने व्यवसाय मॉडल में बदलाव नहीं किया है। उदाहरण के लिए, पानी को बोतलबंद करना और पुनः बेचना एक सामान्य कॉर्पोरेट प्रथा है, जो 'संयुक्त राष्ट्र संघ' के अनुसार, सभी के लिए सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के 'सतत विकास लक्ष्य' (एसडीजी) में बाधा डालती है।

ऑक्सफैम ने बताया कि मई 2023 में फ्रांस के पुय-डी-डोम विभाग में सूखे के कारण अधिकारियों को दो महीने के लिए अपने हजारों निवासियों के पानी के उपयोग को प्रतिबंधित करना पड़ा। हालाँकि, डैनोन की सहायक कंपनी 'सोसाइटी डेस ईओक्स डी वोल्विक' को अभी भी अपने बॉटलिंग प्लांट के लिए, सूखे के दौरान, अप्रतिबंधित मात्रा में भूजल निकालने की अनुमति थी। उस वर्ष, डैनोन ने 956 मिलियन डालर का मुनाफा कमाया और शेयरधारकों को 1,344 मिलियन डालर का पुरस्कार दिया।

जल-न्याय सुनिश्चित करने के लिए, ऑक्सफैम के मुताबिक, सरकारों को पानी को एक मानव अधिकार के रूप में मानना चाहिए; जब कंपनियां पर्यावरण या मानवाधिकार कानूनों का उल्लंघन करती हैं तो उनके लिए नियम लागू करना और जल, स्वच्छता और स्वच्छता सेवाओं में निवेश करना चाहिए। ऑक्सफैम के डुफ्लोट ने कहा, 'स्पष्ट रूप से हम निगमों की सद्भावना पर भरोसा नहीं कर सकते' - सरकारों को उन्हें अपने कार्य को साफ करने और लाभ की प्यास से साझा सार्वजनिक वस्तुओं की रक्षा करने के लिए मजबूर करना चाहिए।

मिर्ची पाउडर फेंककर पीएम आवास के तोड़े कालम

पीड़ित ने पुलिस थाने सहित कलेक्टर को की शिकायत

बैतूल। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम आवास योजना का एक गरीब परिवार को इसलिए लाभ नहीं मिल पा रहा है क्योकि पीएम आवास स्वीकृत होने के बाद भी उसका आवास नहीं बनने दिया जा रहा है। काम शुरू होने पर पड़ोसी ने पीड़ित परिवार के ऊपर मिर्ची पाऊडर फेंककर पीएम आवास के कालम तोड़ दिए। सरकारी योजना में बन रहे आवास में बाधक बने पड़ोसी की, जब पुलिस में शिकायत की गई तो पुलिस ने 151 की कार्यवाही कर मामले को हल्के मे लिया। पीड़ित को जब राहत नहीं मिली, तो उसने कलेक्टर को शिकायत की है।

क्या है पूरा मामला - कलेक्टर को दिए गए आवेदन में केरपानी तहसील भैंसदेही निवासी श्रीमती साधना पति अरूण सोलंकी ने बताया कि 2022 में उनका पीएम आवास ग्राम पंचायत केरपानी के द्वारा स्वीकृत किया गया था। लेकिन पड़ोसी के बाधा डालने के कारण उनका आवास बनने नहीं दिया गया। जब भी उनके द्वारा काम शुरू किया जाता है तो पड़ोसी गुंडागर्दी और बलपूर्वक मकान निर्माण को रोकने के लिए तोड़फोड़ कर देते हैं। इसको लेकर भैंसदेही जनपद पंचायत में जब शिकायत की तो 8 अप्रैल 2024 को जनपद पंचायत के निर्देश पर मकान का कार्य प्रारंभ किया। लेकिन पड़ोसी ने फिर मजदूरों को धमकाया और भगा दिया। इतना ही नही, इसके बाद रात में पीएम आवास के कालम तोड़ दिए। जब उन्हें रोकने की कोशिश की तो उनके घर की महिलाओं ने मिर्ची पाऊडर फेंकना शुरू कर दिया।

नहीं हो रही कार्यवाही- पीड़ित साधना सोलंकी का कहना है कि उनके पीएम आवास निर्माण में बाधा डालने वाले कमलेश लोखण्डे, मुन्ना लोखण्डे, रताय बारस्कर, शिवदीन लोखण्डे सहित अन्य घर की महिलाएं शामिल हैं। इनके खिलाफ दो अप्रैल को झल्लार थाने में आवेदन दिया था लेकिन पुलिस के द्वारा इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया और ना ही उचित कार्यवाही की गई। सिर्फ 151 की कार्यवाही कर औपचारिकता निभा दी गई। साधना सोलंकी का कहना है कि इस मामले में हमने बैतूल कलेक्टर को भी शिकायत की है। उनका यह भी कहना है कि पड़ोसी अधिकारियों को भ्रामक जानकारी दे रहे हैं जबकि पीएम आवास पंचायत द्वारा दी गई जमीन पर बना रहे हैं। इस जमीन पर वे 40 वर्षों से काबिज है और यह भूदान यज्ञ मंडल की जमीन है।

वीडियो आए सामने- पीड़ित पक्ष ने पूरी घटना के वीडियो अपने मोबाइल से बनाए हैं जिसमें पड़ोसी पुरूष खड़े हैं और उनके ही सामने तीन से चार महिलाएं पीएम आवास के कालम तोड़ रही हैं। जब पीड़ित पक्ष ने इसका विरोध किया तो उनके मुंह पर मिर्ची का पाऊडर फेंका जा रहा है। इसके साथ ही गाली गलौज करते हुए धमकी भी महिलाएं देते हुए सुनाई दे रही है।

इनका कहना. - शिकायत पर 151 की कार्यवाही की गई थी। जमीनी संबंधी विवाद है जो पहले तहसीलदार न्यायालय में चल रहा था। अभी एडीएम कोर्ट में अपील की गई है। उसका फैसला आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

--मनोज उइके, थाना प्रभारी, झल्लार

पत्रकार नवीन ओमकार के पिता रामदयाल ओमकार की सड़क दुर्घटना में मौत

बैतूल/मुलताई। नेशनल हाईवे खरसाली जोड़ पर मोटरसाइकिल कार भिड़ंत में नगर के प्रतिष्ठित रामदयाल ओमकार की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई । घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार पत्रकार नवीन ओमकार के पिता 72 वर्षीय रामदयाल ओमकार अपने किसी रिश्तेदार के यहां शादी की व्यवस्थाओं का जायजा लेने गए थे वहां से वापस लौटते समय नेशनल हाईवे 47 के खरसाली जोड़ पर भोपाल की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार रा।31 आर एफ 0148 ने उनकी मोटरसाइकिल को रौद डाला प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उनकी सर पर गंभीर चोट आने से घटनास्थल पर मौत हो गई थी वह सिंचाई विभाग में टाइम कीपर के पद से 2011-12 में सेवानिवृत हुए थे। घटना को अंजाम देने के बाद कार चालक मौका पाकर कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। रामदयाल ओमकार नगर के प्रतिष्ठित व्यक्ति थे उनके निधन की खबर के बाद नगर में शोक का माहौल है ।

अब भंडारों में नहीं उपयोग होंगे प्लास्टिक ग्लास

स्टील के गिलास मुहिम का हुआ शुभारंभ

बैतूल। विवाह, भंडारों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में सिंगल यूस प्लास्टिक ग्लास का उपयोग बड़ी तादाद में किया जा रहा है। जो पर्यावरण के साथ मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। नालियां इनके कारण चोक होती है गौमाता पन्नियां खाकर मर रहीं हैं और विज्ञान ने भी यह प्रमाणित किया है कि सिंगल यूस प्लास्टिक मानव स्वास्थ्य के लिए घातक है। यहां तक के इससे कैंसर जैसी असाध्य बीमारियां हो सकती हैं। इसी उद्देश्य को लेकर ने जयनारायण सर्वोदय विद्यालय 'धारोंदा' के संस्थापक स्व.अविनाश पाटनकर की पुण्यतिथि में और रामनवमी के उपलक्ष्य में विद्यालय समिति ने सिंगल यूस प्लास्टिक से निजात पाने का अनोखा उपाय ढूंढा है।

प्लास्टिक के गिलास से मुक्ति पाने अनूठा अभियान - समिति की कुरूणा ताई देशमुख और हेमलता पाटनकर ने बताया कि बुधवार को दत्त मंदिर को स्टील के 300 और बीजासन माता मंदिर को 200 गिलास भेंट किए गए। इसके पीछे मंशा है कि स्टील के ग्लास का अनेकों बार उपयोग कर और उन्हें धोकर पुन- उपयोग किया जा सकता है। जिससे सिंगल यूज प्लास्टिक के ग्लास से मुक्ति मिलेगी। सहयोगी संस्था 75 कदम के बबलु दुबे ने बताया कि समारोह और भंडारों में भोजन के पश्चात में सिंगल युज प्लास्टिक ग्लास कचरे में फेंक दिए जाते हैं। एक गिलास डिस्पोज होने के लिए लगभग 400 वर्ष का समय लेता है। सिंगल युज प्लास्टिक पानी, हवा, जमीन आदि को प्रदूषित करते हैं। हमारे पूर्वज भी पानी पीने के लिए बार-बार उपयोग में आने वाले धातु से बने बर्तन को काम में लाते थे।

निजी सोनोग्राफी सेंटरों पर गरीबों की हो रही जेब ढीली

चार महीने से बिना रेडियोलॉजिस्ट के चल रहा जिला अस्पताल

बैतूल। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का दावा करती है, लेकिन हकीकत यह है कि स्वास्थ्य सेवाएं संसाधनों और डॉक्टरों की कमी से जूझ रही है। जिला चिकित्सालय बैतूल में पिछले चार महीनों से रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर की पदस्थापना नहीं हुई है। निजी सोनोग्राफी सेंटरों पर जाने वाले गरीबों की जेब ढीली होने लगी है। गरीबों को मजबूरीवश अधिक राशि देकर सोनोग्राफी करवाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अस्पताल प्रबंधन ने कई गार स्वास्थ्य विभाग को डॉक्टर की मांग को लेकर पत्र लिखा, लेकिन डॉक्टर की नियुक्ति नहीं हो पाई।

जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल के रेडियोलॉजिस्ट डॉ ओपी यादव दिसम्बर में रिटायर हो गए। इनके रिटायर होने के बाद से अस्पताल में सोनोग्राफी का काम ठप पड़ा है। केवल इमरजेंसी में गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी हो रही है। अन्य लोग सोनोग्राफी के लिए परेशान हो रहे है। अस्पताल में निःशुल्क सोनोग्राफी हो जाती है, लेकिन यहां सोनोग्राफी करने वाले डॉक्टर ही नहीं है। बताया जा रहा है कि अस्पताल प्रबंधन ने कई बार स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखा है और समस्या बताई कि अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर नहीं है, लेकिन अभी तक किसी नए डॉक्टर की पदस्थापना नहीं हुई। सबसे ज्यादा गरीब परेशान रेडियोलॉजिस्ट के नहीं होने से सबसे ज्यादा परेशानी गरीब वर्ग के लोगों को हो रही है, जहां

अस्पताल में निःशुल्क सोनोग्राफी हो जाती है, वहां अब सोनोग्राफी के लिए 1 हजार रूपए तक देने पड़ रहे है। सोनोग्राफी के लिए निजी सेंटरों पर जाने से गरीबों की जेब ढीली होने लगी है। कोई दूसरा उपाय भी नहीं कि सोनोग्राफी हो सके। अस्पताल प्रबंधन के पास जब भी शिकायत जाती है, प्रबंधन हमेशा ही हाथ खड़े कर देता है और सोनोग्राफी नहीं हो पाएंगी। प्रथम तल पर शिशु वार्ड, पानी लेने ग्राउंड फ्लोर पर आने की फजीहत जनप्रतिनिधि चुनाव में मस्त प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में जिला अस्पताल पहुंचते है। जिसमें कई लोगों को सोनोग्राफी करवानी होती है, लेकिन अस्पताल में सोनोग्राफी की सुविधा नहीं है। जनप्रतिनिधि भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है। जनप्रतिनिधियों द्वारा इस ओर गंभीरता से ध्यान दिया होता तो जल्द रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर की पदस्थापना हो जाती। अभी जनप्रतिनिधि चुनाव में मस्त है। उन्हें जनता की परेशानी नहीं दिख रही है। चुनाव के पहले भी जनप्रतिनिधियों ने केवल आश्वासन ही दिया है कि डॉक्टर की जल्द नियुक्ति होगी। चार महीने का समय बीत गया, बिना रेडियोलॉजिस्ट का जिला अस्पताल संचालित हो रहा है। कहीं संसाधनों की कमी और तो कहीं डॉक्टरों की कमी के कारण अस्पताल की व्यवस्था बिगड़ रही है। इस ओर भी जिले के जनप्रतिनिधि भी गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहे है।

मुलताई क्षेत्र के 81 संवेदनशील मतदान केंद्रों पर होगी प्रशासन की पैनीनजर

बैतूल/मुलताई। लोकसभा चुनाव के लिए मुलताई विधानसभा 129 के 296 मतदान केंद्रों की तैयारी लगभग पूर्ण हो चुकी है। सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी मुलताई राजस्व तृप्ति पटैरया के मार्गदर्शन में निर्वाचन टीम के सेक्टर अधिकारियों द्वारा सभी पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया जा चुका है। दूसरे चरण में शासकीय कन्या शाला में तीन दिवसीय प्रशिक्षण में मुलताई विधानसभा क्षेत्र के 850 पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक 1 -2 एवं 3 प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। अंतिम चरण का प्रशिक्षण शेष है जिसमें लगभग 350 निर्वाचन दलों का प्रशिक्षण होगा। निर्वाचन अधिकारी तृप्ति पटैरया ने बताया कि लोकसभा चुनाव में मुलताई विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 232293 है जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 11 8893 है जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 113393 है जो कि पुरुषों की तुलना में मात्र 5500 काम है। आदर्श बूथों की बात करें तो उनकी संख्या 5 है किंतु मुलताई विधानसभा क्षेत्र में संवेदनशील (क्रिटिकल) मतदान केंद्रों की संख्या 81 है। इन मतदान केंद्रों पर प्रशासन की पैनी नजर है इन सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी से नजर रखी जाएगी। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। मुलताई विधानसभा क्षेत्र के 296 मतदान केंद्रों में से 148 मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जाएगी।

बीजासनी मंदिर में विशाल भंडारा संपन्न, विधायक हेमंत खंडेलवाल ने दी सेवा

● श्रद्धालुओं से आत्मीयता से मिले विधायक

बैतूल। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बीजासनी मंदिर बैतूल गंज में चैत्र नवरात्र महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। बुधवार को विशाल भंडारा प्रसादी का आयोजन मंदिर समिति द्वारा किया गया, जिसमें जिले भर से पहुंचे लगभग 7 हजार से अधिक लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। बीजासनी मंदिर का भंडारा अपने विशेष स्वाद के लिए पूरे जिले में प्रसिद्ध है। विधायक हेमंत खंडेलवाल अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ विशेष रूप से प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे। मां बीजासनी को प्रसाद भेंट व चुनरी चढ़ाकर समस्त देवी देवताओं के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। तत्पश्चात् अपने हाथों से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा विधायक को माता की चुनरी भेंट कर सम्मान किया गया।

शहर में आयोजित हुई इंडिया महागठबंधन की महत्वपूर्ण बैठक

● महागठबंधन समर्थित पार्टियों के नेताओं ने सरकार के खिलाफ लगाई आरोपों की झड़ी

● 'चंदा दो, धंधा लो' के घोटाले ने देश में पूंजीपतियों और सरकार के आपराधिक गठजोड़ को देश के सामने लाया

बैतूल। इंडिया महागठबंधन (आईएम) की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार 17 अप्रैल को शहर के एक निजी होटल में आयोजित की गई। इस बैठक में इंडिया महागठबंधन समर्थित पार्टियों के वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी शामिल हुए। इस महत्वपूर्ण बैठक में राजनीतिक रणनीतियों, राष्ट्रीय मुद्दों और आगामी लोकसभा चुनाव की योजनाओं पर चर्चा की गई। इसके अलावा, राज्य स्तरीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार विमर्श कर चुनाव जीतने की रणनीति पर विचार किया गया । बैठक में इंडिया महागठबंधन ने अपने सामर्थ्य को मजबूत करने और आगामी चुनावों में प्रभावी रूप से उतरने के लिए नए कदम उठाने का निर्णय लिया।

देश में अघोषित आपातकाल- बैठक को संबोधित करते डॉ.सुनीलम ने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार जिस तरह संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग अपने राजनैतिक लाभ के लिए कर रही है, यह अघोषित आपातकाल है जिससे आम आदमी के मुद्दे और आवाज गायब हो चुकी है। चुनाव आयोग सत्ता की कठपुतली के तौर पर काम कर रहा है। विपक्ष की आवाज को कुचला जा रहा है। जनता की आवाज उठाने वाले तमाम विपक्ष के नेताओं एवं समाज के नेतृत्वकर्ताओं को जेल भेजा जा रहा है। हाल ही में सामने आए 'चंदा दो, धंधा लो' के घोटाले ने देश में पूंजीपतियों और सरकार के आपराधिक गठजोड़ को देश के सामने खोल दिया है। पिछले 10 साल में मोदी सरकार ने इन पूंजीपतियों का 25 लाख करोड़ का कर्ज माफ किया है, दूसरी तरफ एम.एस.पी. मांग रहे किसानों के हिस्से में शहादत आई है, 732 किसान दिल्ली सीमा पर धरना देते शहीद हुए, वहीं युवा किसान शुभकरण सिंह की हत्या सिर में गोली मारकर की गई । लखीमपुर खीरी में 4 किसानों की हत्या करने वाले गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी को फिर से टिकट देकर मोदी सरकार ने इस अपराध पर मोहर लगा दी है। देश में सबसे बुरी स्थिति तो रोज़गार की है। एंप्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024 बताती है कि देश के कुल बेरोजगारों में युवाओं की हिस्सेदारी 83 फीसदी तक पहुंच गई है। पिछले 22 साल में पढ़े-लिखे बेरोजगार युवा 12.5 फीसदी बढ़े हैं। मध्यप्रदेश में गत 5 वर्षों में 30 हजार शासकीय स्कूल बंद किया जा चुके हैं तथा शिक्षकों की संख्या में 40 हजार कमी आई है। 6 हजार स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है

भाजपा शासित राज्यों में सरकारी नौकरियां निकलना बंद- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कृष्णा मोदी ने कहा पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस के दामो मे 2014 के बाद बेतहाशा वृद्धि हुई है। प्रदेश में सरकारी अस्पतालों को निजी हाथों में सौंपने की योजना बनाई जा चुकी है। सरकारी अस्पतालों में बड़ी संख्या में डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की भारी कमी की गई है। जिस सेना में युवाओं को सबसे अधिक रोजगार मिलता था, उसे भी अग्निवीर के माध्यम से खत्म कर दिया गया है। हताशा का आलम यह है कि तमाम युवाओं ने सेना में भर्ती की तैयारी ही बंद कर दी है। भाजपा शासित राज्यों में सरकारी नौकरियां निकलना बंद हो गई हैं जहां निकल रही हैं, वहां पेपर लीक कर युवाओं को ठगा जा रहा है। आंकड़े बताते हैं, पिछले 45 साल में रोजगार की स्थिति सबसे बुरी है ग्रामीण रोजगार देने वाले मनरेगा के बजट में भारी कटौती इस सरकार ने की है। हालात यह है, कि पिछले छह साल में बेरोज़गारी के कारण युवाओं की आत्महत्या के मामलों में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। देशवासियों का ध्यान समस्याओं से हटाने के लिए सरकार देश में भयानक सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कर रही है, जिससे वह उन्माद पैदा कर फिर सत्ता हासिल कर सके। जातीय उन्माद चरम पर है, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर होने वाली अत्याचार की घटनाओं में वृद्धि हुई है। हालात मध्य प्रदेश के भी बहुत बदतर हैं, जहां पिछले 20 साल से भाजपा की सरकार है। व्यापम जैसे घोटाले के बाद युवाओं का भविष्य अंधेरे में धकेल दिया गया। इस महा घोटाले में 100 से अधिक लोगों की संदिग्ध मौत के बाद भी अभी तक मुख्य आरोपी आराम से घूम रहे हैं। मध्यप्रदेश में ऐसे 156 घोटाले है जिनकी जांच नहीं की गई है। मंत्रालय में आग लगा दी गयी एवं महाकाल और सिंहस्थ में भी घोटाला किया गया। बात महिला अत्याचार, दलित अत्याचार की हो, बच्चियों के गायब होने की या फिर किसान आत्महत्या की, मध्य प्रदेश की स्थिति सबसे बदतर है। शिशु मृत्यु दर की बात करें, मातृ मृत्यु दर की, गरीबी की, प्रति व्यक्ति आय की, कुपोषण की, शिक्षा की या फिर रोजगार की, मध्य प्रदेश अभी भी बीमारु राज्य की स्थिति से बाहर नहीं निकल पाया है। किसानों को उसका उपज का सही दाम नहीं मिल रहा है, अभी लगभग सभी फसलें एम एस पी से 500 रूपए प्रति क्विंटल कम दाम पर खरीदी जा रही है।

दिल्ली और पंजाब में विधायक खरीदने की साजिश- आम आदमी पार्टी के अजय सोनी ने कहा कि मोदी सरकार इलेक्टोरल बॉण्ड्स के माध्यम से एकत्रित धन का उपयोग विपक्ष की चुनी हुई सरकारों को गिराने के लिए कर रही है। कांग्रेस की कमलनाथ सरकार को गिराने का काम ज्योतिरादित्य सिंधिया के माध्यम से किया गया । मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, कर्नाटक, गोवा, बिहार इसके उदाहरण है। झारखंड में सरकार गिराने की कोशिश की गई। दिल्ली और पंजाब में विधायक खरीदने की साजिश की जा रही है। पूरे देश में ईवीएम को लेकर संदेह बना हुआ है, इसके बावजूद चुनाव आयोग वी वी पी ए टी की 100त पर्चियों की गिनती कराने को तैयार नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय भी मौन है। अब जबकि देश में तानाशाही हावी है, जब वे तमाम लोग जिन्हें इस देश की संवैधानिक परंपरा और संविधान में भरोसा है, उनके एकजुट होने की जरूरत है। बैतूल के तमाम अमन पसंद और संविधान में भरोसा करने वाले नागरिक समाज के लोगों ने मिलकर यह प्रयास किया है, जिससे बेलगाम सत्ता पर अंकुश लगाया जा सके। हमारी कोशिश है, तमाम बिखरे प्रयासों को एकजुट किया जाए। यह वक्त तमाम राजनैतिक असहमतियों को किनारे कर देश को बचाने की है, उम्मीद है आप भी इसमें हिस्सेदार बनेंगे।

बैठक में यह हुए शामिल - बैठक में प्रमुख रूप से किसान संघर्ष समिति के डॉक्टर सुनीलम, कम्युनिस्ट पार्टी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कृष्णा मोदी, आम आदमी पार्टी के जिला संयोजक एवं लोकसभा प्रभारी अजय सोनी, आम आदमी पार्टी अध्यक्ष शैलेश वाईकर, किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष जगदीश दौड़के, कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष पीर्थी बारपेटे, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव शेषनारायण ओझा, प्रदेश कांग्रेस सचिव समीर खान, जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे , संभागीय प्रवक्ता हेमन्त पगारिया, सेवादल अध्यक्ष अनुराग मिश्रा, युवक कांग्रेस अध्यक्ष विजय पारधी, जिला कांग्रेस प्रवक्ता मोनू वाघ, वरिष्ठ नेता अरुण गोठी, नवनीत मालवी, राजकुमार दीवान, आम आदमी पार्टी नेता मनोहर पचौरिया आदि शामिल थे।

कौन कहता है कि आसमान में सुराख नहीं हो सकता, आत्मविश्वास से एक पत्थर तो उछालों यारों

हीरालाल गोलानी सोहागपुर । यह कहावत कालांतर से चली आ रही है ।कि कौन कहता है कि आसमान में सूराख नहीं हो सकता, आत्मविश्वास से एक पत्थर तो उछालों यारों। उक्त कहावत को सोहागपुर विधानसभा मुख्यालय से करीबन 7 किलोमीटर दूर समीपवर्ती ग्राम ईश्वरपुर के अहिरवार समाज के नीलेश अहिरवार ने चित्रार्थ करके युवाओं को अनुकरण करके यह संदेश दिया है कि आत्मविश्वास, संकल्प से कठिन से कठिन मार्ग का रास्ता भी सरल बना जाता है ।यह बात है नीलेश अहिरवार के पिता रामदास की ।जो ग्राम के अलावा आस-पास के ग्रामीण इलाकों में मिस्त्री का कार्य करते हैं। नीलेश की मां जानकी बाई मजदूरी करती हैं। लेकिन घर के होनहार बालक ने यूपीएससी में 916वी रेंक प्राप्त करके ग्राम एवं परिवार का नाम रोशन कर दिया। इस संबंध में नीलेश अहिरवार के चाचा समाजिक सरोकार रखने वाले भाईजी अहिरवार ने सुबह सवेरे संवाददाता को बताया कि नीलेश अहिरवार ने ग्राम ईश्वरपुर में ही प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की। नीलेश ने अपनी योग्यता से तवानगर के माडल स्कूल में प्रवेश प्राप्त कर लिया। वहां 8वीं से 12वीं की शिक्षा ग्रहण की। महाविद्यालयीन शिक्षा चित्रकूट से कृषि इन्जिनियरिंग करके बीटेक इसके उपरांत यूपीएससी के लिए सेल्फ स्टडी की। यूटयूब के वीडियो की सहायता, मित्रों की सहभागिता, सहयोग ने आत्मविश्वास मिलता गया। आखिरकार तीसरी बार में नीलेश कै यूपीएससी में 916वीं रेंक प्राप्त हुई। इधर ग्राम ईश्वरपुर में नीलेश के पिताश्री, माताश्री को ग्रामवासियों एवं रिश्तेदारों ने शुभकामनाएं दी हैं। ग्राम ईश्वरपुर में खुशी का माहौल है ?

19 अप्रैल को मुख्यमंत्री मोहन यादव का आगमन

सुबह सवेरे सोहागपुर । लोकसभा के आगामी चुनावों को लेकर भाजपा प्रदेश में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है इसी संदर्भ में भारतीय जनता पार्टी के नर्मदापुरम - नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र के लोकसभा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के पक्ष में शुक्रवार 19 अप्रैल को मुख्यमंत्री मोहन यादव आम सभा को संबोधित करेंगे। उक्त आश्य की जानकारी सोहागपुर विधानसभा मीडिया प्रभारी राजेश शुक्ला ने सुबह सवेरे संवाददाता को दी। आपने आगे बताया कि आमसभा पुराने थाने के पीछे झांसी रानी मंच पर शाम 3 बजे आयोजित होगी । इस आमसभा में मुख्यमंत्री के अलावा स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रतापसिंह , भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के साथ भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि ,वरिष्ठ नेतागण आदि उपस्थित रहेंगे। श्री शुक्ला ने नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

चित्र अनावरण के साथ 48 दीपक से आरती संपन्न

धार । युग श्रेष्ठ संत शिरोमणि भगवान श्री विद्यासागर जी महाराज की समाधि होने के पश्चात आचार्य पदरोहन समारोह करीब 521 मुनि महाराज माताजी विद्वानों व लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर मे मुनि श्री समय सागर जी महाराज को आचार्य पद रोहन करके सिंहासन पर विद्वान पंडितों के द्वारा प्रतिष्ठित कर गुरुदेव को सुशोभित किया गया.अब मुनि श्री समय सागर जी आचार्य समय सागर जी बन गए. इस आयोजन में धार समाज का प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुआ .मंगलवार अष्टमी तिथि के अवसर पर शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर धार में प्रातकाल शांतिनाथ भगवान के मस्तक पर शांतिधारा संपन्न की गई जिसका लाभ प्रवीण बडजात्या को प्राप्त हुआ .रात्रि 8 बजे भक्तामर जी का पाठ बड़ी भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ रात्रि 8:30 बजे से संत सदन में नवाचार्य गुरुवर 108 समय सागर जी महाराज का चित्र अनावरण समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल संजय छाबड़ा बगड़ी, नरेश गंगवाल ,विनय छाबड़ा ,पारस पवन जैन गंगवाल, अजय लूहाडिया ,नेहा छाबड़ा, उषा गंगवाल, मंजू गोधा के द्वारा किया गया . गुरुदेव की 48 दीपकों से महाआरती संपन्न हुई . इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित हुए ।

नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की कार्यवाही कलेक्टर के न्यायालयीन बोर्ड कक्ष में होगी

● अधिकारी, कर्मचारियों को सौंपे दायित्व

धार । लोकसभा आम निर्वाचन 2024 हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की कार्यवाही कलेक्टर के न्यायालयीन बोर्ड कक्ष में संपादित होना है। नाम निर्देशन पत्र प्राप्ति, प्रतीक चिन्ह का आवंटन तथा प्रतिदिन की जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल को भेजने एवं भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर अपलोड किए जाने की कार्यवाही संपादित करने के लिए सहायक रिटर्निंग आफिसर ने अधिकारी, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाने का आदेश जारी किया है। आदेश के तहत व्याख्याता शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओपी बैरागी, सहायक ग्रेड 2 कलेक्टर कार्यालय नरेंद्र दवे एवं भृत्य कलेक्टर कार्यालय राजाराम डाबी की हेल्प डेस्क एवं नाम निर्देशन पत्र भरने संबंधी जानकारी अभ्यर्थियों को देना तथा नाम निर्देशन फॉर्म प्रदान करना एवं उसका पंजी में इंद्राज करने का दायित्व सौंपा है । उक्त अधिकारी, कर्मचारी सौंप गए दायित्व तथा रिटर्निंग ऑफिसर के निर्देशन में कार्यों का तत्परता पूर्वक निर्वहन करेंगे।

सामुदायिक भोज, लंगर या दावत में शामिल होने पर उम्मीदवार के व्यय – लेखा में शामिल होगा पूरा खर्च

धार । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के मुताबिक यदि चुनाव लड़ने वाला अभ्यर्थी मतदाताओं से मिलने के लिए किसी सामुदायिक भोज या लंगर में शामिल होता है तो ऐसे सामाजिक समारोह पर किया गया व्यय अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय के रूप में माना जायेगा और इसे उसके निर्वाचन व्यय लेखा में जोड़ा जायेगा। आयोग ने कहा है कि निर्वाचकों से मिलने के लिए आयोजित किये गये ऐसे सामुदायिक भोज के कार्यक्रम भले ही किसी नाम से बुलाये गये हों अथवा खुद अभ्यर्थी या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ही क्यों न आयोजित किये गये हों यदि अभ्यर्थी उसमें भाग लेता है तो इस पर होने वाले खर्च को अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय में शामिल किया जायेगा। निर्वाचन आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह निर्देश धार्मिक समुदायों द्वारा अपने संस्थानों के अंदर प्रथागत तौर पर आयोजित लंगर, भोज या कोई समारोह जैसे शादी, मृत्यु आदि के सामान्य भोज पर लागू नहीं होगा। जबकि यह अभ्यर्थी को छोड़कर किसी व्यक्ति द्वारा आयोजित किया गया हो। ऐसे सामुदायिक भोज, लंगर, दावत आदि पर किये गये व्यय को अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय में शामिल नहीं किया जायेगा बशर्ते कि अभ्यर्थी उसमें सामान्य आंगतुक के रूप में भाग लेता हो। आयोग ने निगरानी दलों एवं निर्वाचन अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये हैं कि ऐसे सामुदायिक भोज आदि में अभ्यर्थी ने कोई वित्तीय योगदान नहीं दिया हो और किसी भी तरीके से ऐसे सामुदायिक भोज में किसी तरह का राजनैतिक अभियान न चलाया गया हो।

उम्मीदवारों को जमा करनी होगी निक्षेप राशि

धार । लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को नाम निर्देशन पत्र के साथ निक्षेप राशि जमा करना होंगी। सामान्य वर्ग के उम्मीदवार को 25 हजार रूपये की निक्षेप या जमानत राशि जमा करनी होगी। यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग का है, भले ही वो अनारक्षित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहा है तो उसे इसका आधा यानि 12 हजार 500 रूपये की राशि जमानत के रूप में नाम-निर्देशन पत्र के साथ जमा करनी होगी। भारत निवार्चन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार को जमानत राशि रिटर्निंग अधिकारी के पास अथवा भारतीय रिजर्व बैंक या सरकारी खजाने में चालान भरकर जमा करना होगी। उसे चालान या रसीद की मूल प्रति नामांकन पत्र के साथ रिटर्निंग अधिकारी को रिटर्निंग अधिकारी को नाम-निर्देशन पत्र के साथ प्रस्तुत करना होगी। उम्मीदवार द्वारा निक्षेप राशि ऑनलाईन भी जमा कराई जा सकेगी। आयोग के मुताबिक कोई भी उम्मीदवार एक निवार्चन क्षेत्र से नामांकन पत्र के चार सेट रिटर्निंग अधिकारी को प्रस्तुत कर सकता है। लेकिन उसे जमानत या निक्षेप राशि जमा करने की मूल रसीद नामांकन पत्र के पहले सेट के साथ ही रिटर्निंग अधिकारी को प्रस्तुत करनी होगी। यदि कोई उम्मीदवार एक साथ दो निवार्चन क्षेत्रों से भी चुनाव लड़ता है तो ऐसी स्थिति में उसे दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अलग-अलग निक्षेप राशि रिटर्निंग अधिकारी को प्रस्तुत करना होगी।

लोकसभा निर्वाचन हेतु अभ्यर्थियों द्वारा खोले गये बैंक खाते पर चैक बुक

● नेट बैंकिंग आदि की सुविधा प्रदान करने के कलेक्टर के निर्देश

धार । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा ने निर्देश दिये हैं कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में जो अभ्यर्थी निर्वाचन में नामांकन करेंगे उन्हे नामांकन दाखिल करने के कम से कम एक दिन पूर्व बैंक में खाता खुलवाऐंगे। इसके लिये जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मिश्रा ने अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ इण्डिया को निर्देशित किया है कि वे अपने अधीनस्थ बैंक शाखाओं को निर्देश जारी करे कि अभ्यर्थियों द्वारा पृथक से बैंक खाते खोलने पर उन्हें चैक बुक, नेट बैंकिंग आदि की सुविधा प्रदान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निर्वाचन के दौरान उक्त बैंक खाते एवं अन्य ग्राहकों के खातों में होने वाले संदेहास्पद अंतरण एवं एक ही दिन में बहुतायात अंतरण (Bulk Transaction) की जानकारी रिटर्निंग ऑफिसर एवं जिला नोडल अधिकारी व्यय अनुवीक्षण को प्रतिदिन अनिवार्य रूप से प्रेषित करना सुनिश्चित करें। बैंको से ए.टी.एम. में केश का भरण एवं अन्य शाखाओं को केश का आदान-प्रदान करते समय केश भंडारण संबंधी रजिस्टर पर राशि स्पष्ट अंकित करते हुए संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को पहचान पत्र प्रदाय करे, ताकि निर्वाचन के दौरान चैक पोस्ट पर कैश वेन की जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य एवं अभिलेख उपलब्ध हो सकें एवं अप्रिय स्थिति निर्मित न हो।

हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा सुदृढ़ होने से ही हम इतनी प्रगति कर पाए: डॉ. वसंत शिन्दे

भोपाल। विज्ञान भारती मध्य भारत प्रांत द्वारा स्व.जयंतराव सहस्त्रबुद्धे के जन्मदिवस पर ''भारत की ज्ञान विज्ञान परम्परा'' पर व?याख?यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध पुरातत्वविद एवं साउथ एशियन आर्केलाजी सोसाइटी के संस्थापक डॉ. वसंत शिंदे ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा प्राचीन और सशक्त रही है हड़प्पा की राखीगढ़ी साईट का शोध पूरे विश्व ने प्रामाणिक माना है और इसकी पूरी रिसाव भारत में ही की गई है । भारतीय वैज्ञानिकों ने स्वयं की मेथोडोलॉजी विकसित कर राखिगडी पर शोध किया है । हमारी ज्ञान परंपरा सुदृढ़ होने के कारण ही हम इतनी प्रगति कर सके हैं । विश्व में प्रथम बार जूट, ऊन, सिल्क के उपयोग के प्रमाण भारत में ही मिले हैं।

इस कार्यक्रम में प्रवेश एवं शुल्क नियामक समिति के अध्यक्ष प्रो. रविन्द्रामचन्द्र कान्हेरे विशिष्ट अतिथि थे , प्रो कन्हेरे ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत में बुनियादी शोध हेतु नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की गई है जिससे कि यहाँ की बुनियादी आवश्यकताओं को अद्यतन ज्ञान एवं भविष्य की माँग को देखते हुए शोध कार्य में सहायता मिलेगी ।उन्होंने कहा कि तकनीकी के क्षेत्र में शोध हेतु विदेशी फंडिंग भारत के हित न होकर विदेश के हित में होती है , उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि यूरोप एवं अमेरिका ने भारत को हमेशा द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी की तकनीक ही दी है किंतु हमने अपने ज्ञान विज्ञान एवं कौशल से विज्ञान के क्षे त्र में अपना परचम विश्व में लहराया है ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक पाण्डेय प्रांत संघचालक मध्यभारत ने की । इससे पूर्व कार्यक्रम की रूपरेखा एवं परिचय विज्ञान विज्ञान भारती के महासचिव प्रो सुधीर सिंह भदौरिया ने प्रस्तुत की । विज्ञान भारती भारत प्रांत के क्षेत्रीय संगठन सचिव श्री विवस्वान ने अपने वक्तव्य में कहा कि विश्व की आत्मा भारत है और पारंपरिक ज्ञान को विश्व पटल पर लाने का कार्य स्वामी विवेकानंद ने किया है । हमारी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि हम व्यक्ति सापेक्ष नहीं अपितु ध्येय सापेक्ष रहे हैं । विदित है कि स्व. जयंतराव सहस्त्रबुद्धे एक प्रसिद्ध चिंतक एवं दार्शनिक रहे हैं, जिन्होंने विज्ञान को एक स्वदेशी आंदोलन के रूप में आमजन तक विज्ञान की पहुंच पर अपने अंतिम समय तक कार्य किया । इस कार्यक्रम में विज्ञान भारती मध्यभारतप्रांत के सदस्य, समाज के प्रबुद्ध नागरिकों, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, शोध एवं राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक, महानिदेशक, गणमान्यव्यक्ति, शिक्षकों,प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया ।

घर- घर पीले चावल देकर मतदान के लिए किया आमंत्रित

● मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिले में हुए विभिन्न कार्यक्रम

नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले एवं सीईओ जिला पंचायत व नोडल अधिकारी स्वीप श्री दलीप कुमार के मार्गदर्शन में जिले में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूकता लाने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार 16 अप्रैल को जिले में महिलाओं द्वारा घर- घर जाकर पीले चावल देकर मतदाताओं को मतदान करने के लिए आमंत्रित किया गया। इसके साथ ही शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों द्वारा अपने अभिभावकों और परिजनों को पत्र लिखकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही जिले में नुक्कड़ नाटक और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया।

मतदाताओं को पीले चावल देकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया – मतदाता जागरूकता अभियान के तहत ग्राम पंचायत ग्राम खमरिया नारिया, अंडिया, पांसी, बैहरपोड़ी, अगरिया, नरसिंहपुर शहरी क्षेत्र के पाठक वार्ड, बारूरेवा, ग्राम कल्याणपुर, भूत पिपरिया, कोड़ा, डांगीढाना के मतदान केन्द्र 71, ग्राम पंचायत नगवारा, मानेगांव, ग्राम धवई- बडगवां, चीलाचौन कला, भामा, बौछार, गुर्रा, ग्राम गाडरवारा खेड़ा के कछ्रा टोला, श्रीनगर, बरहटा, दौन, नोनिया, बंधा, सिलवानी, बौछार, सूरवारी, ठेमी, गुंदरई, भैंसा व कंजई और नगर पालिका गोटेगांव के बोस वार्ड, नेहरू वार्ड, गांधी वार्ड, ग्राम चांवरपाठा, चीचली, डुंगरिया खैरी, पाला मुडरई और शाहपुर के मतदान क्रमांक 207 में महिलाओं द्वारा घर- घर जाकर पीले चावल देकर मतदाताओं को मतदान के लिए आमंत्रित किया।

पत्र लेखन, निबंध, स्लोगन आदि के माध्यम से मतदान हेतु मतदाताओं को किया प्रेरित – मतदाता जागरूकता अभियान के तहत सीएम राइज स्कूल नरसिंहपुर, शासकीय सर्वोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरवारी, शासकीय हाईस्कूल वेदू, शासकीय हाई स्कूल गोंगावरी, शासकीय हाईस्कूल तलापार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बचई, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नयाखेड़ा बासादेही, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया (श्रीनगर) व हाईस्कूल हिरनपुर आदि स्कूलों के विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों को पत्र लेखन, निबंध व स्लोगन आदि के माध्यम से मतदान करने के लिए प्रेरित किया।शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखपुर, शासकीय हाईस्कूल देवनगर पुराना गोटेगांव, सीएम राइज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोभी द्वारा मतदाता जागरूकता स्लोगन प्रतियोगिता, स्कूलों में छात्र- छात्राओं द्वारा रैली, शपथ व रंगोली के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। नगर पालिका परिषद गाडरवारा एवं शासकीय कन्या शाला की छात्राएं पानी की टंकी के पास से होते हुए झंडा चौक तक साइकिल रैली द्वारा, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल करपगांव में रंगोली, पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करकबेल में स्लोगन के माध्यम से मतदान के लिए प्रेरित किया। नगर परिषद सालीचौका में रंगोली के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीण मतदाता हो रहे जागरूक – मतदाता जागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक के कलाकारों द्वारा गांव- गांव व वार्डों में जाकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम गोटेगांव, इमलिया, रामखिरिया ग्रामीणवासियों को ईव्हीएम मशीन की जानकारी व मतदाता जागरूकता शपथ के माध्यम से मतदान के लिए प्रेरित किया।

गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र में 19 अप्रैल को प्रातः 7 से सायं 6 बजे तक होगा मतदान

● 2 लाख 17 हजार 621 मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

● निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया की सभी तैयारियां पूर्ण

नरसिंहपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के मंडला संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली जिले की एक विधानसभा क्षेत्र 118- गोटेगांव में शुक्रवार 19 अप्रैल 2024 को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान किया जाएगा। इस संबंध में सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। मतदान से पूर्व प्रातः 5:30 बजे सभी मतदान केन्द्रों में मॉकपोल किया जाएगा। मतदान के लिए गोटेगांव विधानसभा क्षेत्रों के बूथ के लिए सामग्री का वितरण 18 अप्रैल को कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर से किया जाएगा। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकसभा निर्वाचन के लिए गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र में 254 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। सभी मतदान केन्द्रों में मतदाताओं के लिए छाया तथा पेयजल की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही सभी केन्द्रों में रैम्प, व्हीलचेयर, बिजली, पेयजल, शौचालय सहित मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।विधानसभा क्षेत्र गोटेगांव में कुल 2 लाख 17 हजार 621 मतदाता हैं, जिनमें एक लाख 11 हजार 561 पुरूष, एक लाख 6 हजार 56 महिला व 4 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं। इन मतदाताओं में 1550 पीडब्ल्यूडी मतदाता, 1911 बुजुर्ग मतदाता, 5487 नव मतदाता और 102 सर्विस वोटर शामिल हैं। गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र में कुल 254 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। इन मतदान केन्द्रों में 61 क्रिटिकल मतदान केन्द्र, वेबकास्टिंग 142 मतदान केन्द्र और शेडो एरिया के 3 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र गोटेगांव में निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण तरीके से निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न कराने के उद्देश्य से सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। सुरक्षा की चाक- चौबंद व्यवस्था की गई है। इस दौरान अवैध शराब, धन राशि, हथियार आदि का परिवहन ना हो, इसके लिए कड़ी चौकसी रखी जा रही है। फ्लाइंग स्क्वाड टीम और एसएसटी की गतिविधियां तेज कर दी गई हैं। गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र में 4 एफएसटी, 4 एसएसटी, एक व्हीएसटी, एक व्हीव्हीटी और एक सहायक व्यय लेखा टीम बनायी गयी हैं।

विधानसभा गोटेगांव के लिए पिंक मतदान केन्द्र – विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 118 गोटेगांव के अंतर्गत 15 मतदान केन्द्रों को पिंक मतदान केन्द्र के लिए चयनित किया गया है। सहायक रिटर्निंग ऑफिसर लोकसभा क्षेत्र- 14 मंडला विधानसभा क्षेत्र 118- गोटेगांव ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र गोटेगांव के अंतर्गत आने वाले मतदान केन्द्र क्रमांक 26 ग्राम पंचायत बगलई ऊजर, मतदान केन्द्र क्रमांक 29 शासकीय प्राथमिक शाला भवन गर्रा, मतदान केन्द्र क्रमांक 35 शासकीय प्राथमिक शाला भवन कमोद, मतदान केन्द्र क्रमांक 35 शासकीय प्राथमिक शाला भवन बरौदा, मतदान केन्द्र क्रमांक 93 शासकीय प्राथमिक शाला भवन रामनिवारी, मतदान केन्द्र क्रमांक 94 सीएम राईज स्कूल स्टॉफ रूम गोटेगांव, मतदान केन्द्र क्रमांक 96 शासकीय इंद्रा कन्या शाला का कक्ष क्रमांक एक गोटेगांव, मतदान केन्द्र क्रमांक 105 ठा. निरंजन सिंह शासकीय महा. विद्यालय पुस्तकालय के बाजू से कक्ष क्रमांक 28- 29, मतदान केन्द्र क्रमांक 109 शासकीय कन्या शाला भवन गोटेगांव, मतदान केन्द्र क्रमांक 115 कार्यालय वन विभाग दक्षिणी कक्ष गोटेगांव, मतदान केन्द्र क्रमांक 118 शासकीय प्राथमिक शाला भवन तिघरा, मतदान केन्द्र क्रमांक 123 एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला भवन दबकिया, मतदान केन्द्र क्रमांक 136 शासकीय माध्यमिक पुत्री शाला भवन पश्चिमी कक्ष बगासपुर, मतदान केन्द्र क्रमांक 141 शासकीय हाईस्कूल भवन पश्चिमी कक्ष चांदनखेड़ा, मतदान केन्द्र क्रमांक 200 शासकीय कन्या शाला भवन कक्ष क्रमांक 02 श्रीनगर को पिंक मतदान केन्द्र के रूप में चयनित किया गया है।

कलेक्टर एवं एसपी ने गोटेगांव के मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के मंडला संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली जिले की एक विधानसभा क्षेत्र 118- गोटेगांव में शुक्रवार 19 अप्रैल 2024 को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान किया जाएगा। इस दौरान मतदान केन्द्रों में की जा रही आवश्यक व्यवस्थाओं व की गई तैयारियों के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले व पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार ने मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया- श्रीनगर व शासकीय प्राथमिक शाला लाठगांव में बनाये गये मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया।

हर मतदाता दे सकेगा वोट लेकिन मतदाता सूची में नाम होना जरूरी

आयोग ने पहचान के लिए निर्धारित किये बारह वैकल्पिक दस्तावेज

नरसिंहपुर। लोकसभा चुनाव के लिये संसदीय क्षेत्र मंडला के अंतर्गत जिले के गोटेगांव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में शुक्रवार 19 अप्रैल को होने वाले मतदान में ऐसे प्रत्येक मतदाता को मत देने का अधिकार होगा जिसका नाम मतदाता सूची में शामिल हैं। ऐसे मतदाता जिन्हें फोटो परिचय पत्र जारी किये गये हैं, उन्हें वोट डालने के लिए फोटो परिचय पत्र मतदान केन्द्र ले जाना जरूरी होगा।लेकिन किन्ही कारणों से फोटो मतदाता पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाने वाले मतदाताओं के लिये निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान के दस्तावेजों में से कोई एक वैकल्पिक दस?तावेज प्रस्तुत करना होगा।

निर्वाचन आयोग ने जिन फोटो पहचान दस्तावेजों को मतदाताओं की पहचान स्थापित करने के लिए मान्य किया है, उनमें आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र अथवा राज्य सरकार या सार्वजनिक उपक्रम अथवा सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मियों को जारी फोटो सहित सेवा पहचान पत्र, बैंक अथवा डाकघर द्वारा जारी फोटो सहित पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के अधीन आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजनाओं के अधीन जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसद या विधानसभा एवं विधान परिषद के सदस्यों को जारी किये गये आधिकारिक पहचान पत्र तथा भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल शामिल हैं।

18 अप्रैल को भी होंगे डाकमत पत्र से मतदान

नरसिंहपुर। जिला स्तरीय फेसिलिटेशन सेंटर कलेक्ट्रेट कार्यालय नरसिंहपुर में स्थापित किया गया है। इस दौरान 15, 16 एवं 17 अप्रैल को मतदान किया गया था, लेकिन अन्य जिलों से प्राप्त डाकमत पत्र का मतदान पूर्ण नहीं होने के कारण 18 अप्रैल को भी मतदान जिला स्तरीय फेसिलिटेशन सेंटर में किया जायेगा। जिला कोषालय में स्थित स्ट्रांग रूम प्रात: 9 बजे खोला जायेगा। इस दौरान अप्रयुक्त डाकमत पत्र निकाले जावेंगे एवं सायं 6 बजे कुल प्रयुक्त एवं अप्रयुक्त डाकमत पत्रों को सीलबंद किया जावेगा।

होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र अंतर्गत 85 प्लस आयु वर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने घर से ही किया मतदान

नर्मदापुरम । लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना के निर्देशों के परिपालन में संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद में 85 प्लस आयु वर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं की होम वोटिंग अर्थात घर-घर जाकर मतदान दलों द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया गया। 85 प्लस के एवं दिव्यांग मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी सक्रिय एवं महती जिम्मेदारी निभाई। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 137- होशंगाबाद ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि विधानसभा क्षेत्र-137 होशंगाबाद अंतर्गत कुल 179 ऐसे 85 प्लस एवं दिव्यांग मतदाताओं द्वारा होम वोटिंग की सहमति दी गई जो मतदान केन्द्र तक जाकर मतदान करने में असमर्थ थे। इन मतदाताओं के घर 13 एवं 14 अप्रैल को जाकर मतदान दलों द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया गया। बताया गया कि 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाता श्रीमती रामरति पाल, श्रीमती सिया दुलारी दुबे आदि तथा दिव्यांग मतदाताओं में श्री दीपेश सराठे, श्री शेख जायेद आदि द्वारा उत्साहपूर्वक मतदान कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विधानसभा 137-होशंगाबाद के कुल 179 दिव्यांग एवं 85 प्लस के मतदाताओं ने घर बैठे ही मतदान किया। विधानसभा 136 सिवनीमालवा अंतर्गत डोलरिया की 87 वर्षीय तिजीला बाई, बीसारोडा की 86 वर्षीय रामेती बाई एवं 87 वर्षीय बुल्को बाई, 92 वर्षीय मिसरोद की सुन्दर बाई बामने तथा 92 वर्षीय तुलाराम गौर एवं, डोलरिया की 88 वर्षीय राजकुमारी बाई एवं 87 वर्षीय कंचन बाई ने घर बैठे ही मतदान की सुविधा का लाभ लिया। वहीं बम्मनगांव कलां की दिव्यांग आकांक्षा पिता रामाधार उम्र 19 वर्ष नें भी घर से ही मतदान किया।

राजधानी भोपाल में बड़ी पहल...वोट करें, गिफ्ट पाएं

2034 पोलिंग बूथ पर पहली बार ड्रा होंगे, जीत सकते हैं बाइक, टीवी-वॉशिंग मशीन

भोपाल। लोकसभा चुनाव में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए भोपाल जिला प्रशासन ने बड़ी पहल की है। 7 मई को जिले के कुल 2034 पोलिंग बूथ पर 3 ड्रा होंगे। जिनमें कुल 6102 इनाम दिए जाएंगे। वहीं, एक बंपर ड्रा भी होगा। जिसमें मतदाता बाइक, टीवी, वॉशिंग मशीन से लेकर मिक्सर, माइक्रोवेव से लेकर घर की जरूरतों के सामान भी जीत सकते हैं। लोकसभा चुनाव में भोपाल में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब वोट डालने पर मतदाता गिफ्ट भी जीत सकते हैं। स्वीप के सहायक नोडल अधिकारी रितेश शर्मा ने

बताया, प्रत्येक पोलिंग बूथ के लिए दो ड्रा निकाले जाएंगे। एक ड्रा मतदान वाले दिन 7 मई को ही खुलेगा, जबकि दूसरा बंपर ड्रा रहेगा, जो मतदान के बाद खोला जाएगा। दोनों में ही मतदाताओं को गिफ्ट मिलेंगे। भोपाल लोकसभा सीट पर 7 मई को मतदान होगा। इसी दिन भोपाल जिले के 2034 मतदान केंद्रों पर ड्रा का सिस्टम रहेगा। हर बूथ पर दिन में 3 बार ड्रा होगा। सुबह 10 बजे पहला, दोपहर 2 बजे दूसरा और शाम 6 बजे तक तीसरा ड्रा निकाला जाएगा। हर बूथ पर लकी ड्रा का एक बॉक्स रहेगा। मौके पर ही मतदाता को पर्ची मिलेगी, जो वोट डालने के बाद नाम, मोबाइल नंबर और मतदान केंद्र नंबर लिखकर बॉक्स में डालनी होगी। ड्रा में टी-शर्ट, टिफिन, लंच बॉक्स जैसे इनाम दिए जाएंगे। यदि कोई मतदाता वोट डालने के बाद घर चला भी जाता है तो उसे मोबाइल पर कॉल करके बुलाया जाएगा। दूसरा ड्रा मतदान के बाद होगा। इसमें उन मतदाताओं को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने मतदान वाले ड्रा में हिस्सा लिया हो। इस ड्रा के जरिए मतदाता बाइक, फ्रीज, वॉशिंग मशीन, लंच बॉक्स, मिक्सर, माइक्रोवेव जैसे घरेलू उपयोग में आने वाले सामग्री जीत सकेंगे। भोपाल लोकसभा सीट पर पिछले चुनाव में करीब 65 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। इस बार यह 70 से 75 प्रतिशत तक करने का टारगेट है।

राम मंदिर में दर्शन के बाद अमित शाह दिल्ली रवाना

छिंदवाड़ा में नाराज नेताओं को नसीहत-चुनाव में कमी रही तो पार्टी बाद में निर्णय लेगी

भोपाल। छिंदवाड़ा प्रवास के दूसरे दिन बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ऊंठखाना स्थित प्राचीन राम मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हुए। आज सुबह उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा समेत सभी पदाधिकारियों से 40 मिनट चुनाव को लेकर बातचीत की। पूर्व कैबिनेट मंत्री रमेश दुबे से बंद कमरे में चर्चा की। शाह मंगलवार शाम छिंदवाड़ा आए थे। उन्होंने छिंदवाड़ा से लोकसभा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के समर्थन में रोड शो किया। रोड शो के बाद शाह

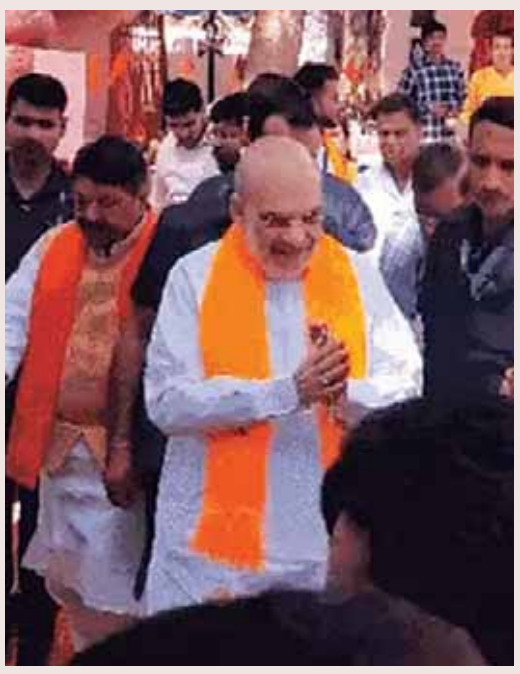

ने पहले कोर कमेटी और फिर नाराज नेताओं के साथ अलग से बैठक की। इनमें पूर्व मंत्री चंद्रभान सिंह चौधरी, पं. रमेश दुबे, ताराचंद बावरिया सरीखे नेता शामिल रहे। शाह ने सभी नेताओं को साफ कर दिया कि यह चुनाव पार्टी के लिए अहम है। इसमें कोई कमी रहती है तो पार्टी बाद में उसका विश्लेषण कर अपना निर्णय लेगी। मंगलवार शाम शाह ने खुले रथ में सवार होकर करीब 700 मीटर का रोड शो किया। इस दौरान रास्तेभर उन्होंने जनता का अभिवादन किया। उनके एक हाथ में बीजेपी का चुनाव चिन्ह कमल का फूल नजर आया।रोड शो में जुटे लोगों ने शाह पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। शाह भी लोगों पर फूल बरसाते चल रहे थे। इस दौरान जय श्री राम और मोदी-मोदी के नारे गूंजे। रोड शो में अमित शाह के साथ सीएम डॉ. मोहन यादव, प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा और भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू मौजूद रहे। अमित शाह ने शहर के फव्वारा चौक से रोड शो शुरू किया। जो गल्ला बाजार, कमानिया गेट, गोल गंज, मन्ना महाराज मेन रोड होते हुए नगर शक्ति पीठ श्री बड़ी माता मंदिर छोटी बाजार पर खत्म हुआ। बताया जा रहा था कि शाह यहां बड़ी माता मंदिर में दर्शन करेंगे, लेकिन वे रथ से उतरकर सीधे कार से रवाना हो गए। बता दें कि अमित शाह रात्रि विश्राम छिंदवाड़ा में ही कर रहे हैं। अमित शाह को नागपुर से हेलिकॉप्टर से छिंदवाड़ा पहुंचना था, लेकिन मौसम की खराबी के चलते वे कार के जरिए बाय रोड छिंदवाड़ा पहुंचे। उनका रोड शो तय समय से करीब दो घंटे देरी से करीब सवा 8 बजे शुरू हुआ।

वफादारों में भगदड़ के बाद परिवार के सहारे 'नाथ'

● इस बार 'कमल' का होगा छिंदवाड़ा! कांटे की है टक्कर ● विवेक बंटी साहू और नकुल नाथ के बीच है मुकाबला

भोपाल। भगवा गढ़ मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा से बड़ा कोई राजनीतिक मुकाबला नहीं है। 70 से ज़्यादा सालों से, दक्षिण मध्य प्रदेश का यह निर्वाचन क्षेत्र कांग्रेस का गढ़ रहा है, जिसकी पहचान पिछले 45 सालों से नाथों से है। इंदिरा गांधी के 'तीसरे बेटे' कमल नाथ, उनकी पत्नी अलका और बेटा नकुल। भाजपा की ताकतवर चुनावी मशीनरी कांग्रेस के इस गढ़ को भेदने में नाकाम रही है, यहां तक कि 2019 और 2023 की मोदी लहर के दौरान भी तमाम कोशिशें असफल रहीं। हालांकि, इस बार यहां हालात अलग दिख रहे हैं। भाजपा नाथ के वफादारों और लंबे समय से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को तोड़ रही है, जिससे कमल नाथ और नकुल को अपने क्षेत्र में अकेले संघर्ष करना पड़ रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद से, छिंदवाड़ा से कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का पलायन हुआ है। पंचायत सदस्य, पार्षद, स्थानीय महापौर, दो पूर्व विधायक, कमल नाथ के कई लंबे समय से वफादार और यहां तक कि एक विधायक भी। नाथों के लिए सबसे बड़ा झटका अमरवाड़ा के विधायक कमलेश शाह का दलबदल था। यह वह क्षेत्र है जिसने 2019 के लोकसभा चुनावों में नकुल को महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई थी, जब छिंदवाड़ा ने कांग्रेस को राज्य की 29 सीटों में से एकमात्र जीत दिलाई थी। हैरान नकुल नाथ ने शाह को 'गद्दार' कहा।

करीबी दोस्त ने भी छोड़ा साथ- भगवा खेमे में शामिल होने वालों में दीपक सक्सेना भी शामिल हैं, जो छिंदवाड़ा से दो बार विधायक रहे और नाथ के 40 साल के साथी हैं। यह वे ही थे, जिन्होंने 2019 में दिग्गज नेता के मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद कमल नाथ के लिए अपनी सीट छोड़ दी थी। 3 अप्रैल को नाथ ने दीपक से अचानक मुलाकात की, जो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल नहीं हुए थे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि नाथ ने उनसे कहा कि वे 'धृतराष्ट्र न बनें' और अपने बेटे की तरह भाजपा में न जाएं। दो दिन बाद दीपक भगवा खेमे में शामिल हो गए।

इमोशनल कार्ड खेल रहे कमल नाथ- वफादारों के भाग जाने से स्तब्ध नाथ मतदाताओं की भावनाओं को भुनाने की कोशिश कर रहे हैं। नाथ नकुल के लिए एक के बाद एक रैलियों में कहते हैं कि छिंदवाड़ा मेरी जिंदगी है। वे कहते हैं कि अपनी आखिरी सांस तक मैं छिंदवाड़ा के लिए प्रयास करता रहूंगा। वे उन लोगों के दिलों को छूते हैं जो 1980 से उन्हें वोट दे रहे हैं। वे कहते हैं कि मेरे बेटे को वोट दें।

बीजेपी में शामिल होने की थी अटकलें- कमल नाथ पिता और पुत्र खुद दो महीने पहले ही एक रोमांचक नाटक में उलझे हुए थे। इस साल फरवरी में, इस बात की अटकलें लगाई जा रही थीं कि दोनों भाजपा में शामिल हो सकते हैं। कमल नाथ ने किसी भी बात का खंडन नहीं किया, मीडिया को 'अफवाहें' फैलाने के लिए दोषी ठहराया और कहा कि मीडिया को सफाई देनी चाहिए। भाजपा के कैलाश विजयवर्गीय ने साफ कहा कि भगवा खेमे में नाथों के लिए कोई जगह नहीं है। आखिरकार, 29 फरवरी को, नकुल ने भाजपा में शामिल होने से इनकार कर दिया। इससे पहले, 6 फरवरी को, नकुल ने AICC का इंतजार किए बिना खुद को छिंदवाड़ा का उम्मीदवार घोषित कर दिया था। 12 मार्च तक कांग्रेस ने इसे आधिकारिक नहीं बनाया था। कांग्रेस के पदाधिकारियों के अपने खेमे में चले जाने के बावजूद, भाजपा को अभी भी नाथ परिवार की अजेय विरासत से पार पाना है।

यह विरासत इतनी मजबूत है कि भगवा खेमा 1952 के बाद से इस सीट पर कभी नहीं जीत पाया है, सिवाय 1997 के उपचुनाव के जब पूर्व सीएम सुंदरलाल पटवा ने कमल नाथ को 37,680 वोटों से हराया था। अगले साल नाथ ने पटवा को पांच गुना बड़े अंतर से हराकर वापसी की।

आरएसएस मुख्यालय से 110 किमी दूर है छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा नागपुर में आरएसएस मुख्यालय से सिर्फ 110 किलोमीटर दूर है लेकिन बीजेपी को यहां हमेशा मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। 1980 से 2019 के बीच कमल नाथ यहां से नौ बार सांसद रहे, जब तक कि वे सीएम नहीं बन गए और अपने बेटे को कमान नहीं सौंप दी। छिंदवाड़ा ने कमल नाथ को एक नौसिखिए राजनेता (इंदिरा ने 1980 में उनके लिए व्यक्तिगत रूप से प्रचार किया था) से लेकर केंद्रीय मंत्री और सीएम तक का सफर तय करते देखा है। नाथ लोगों को इस बात की याद दिलाते हैं और बताते हैं कि उन्होंने छिंदवाड़ा में क्या-क्या विकास कार्य किए हैं। वे कहते हैं कि एक समय था जब पातालकोट (निर्वाचन क्षेत्र की एक घाटी) में लोगों को आटा तक नहीं मिलता था। अब पातालकोट के युवा जींस और टी-शर्ट पहनकर घूमते हैं। आज के युवाओं ने वह पुराना पातालकोट नहीं देखा है। 1980 में छिंदवाड़ा में सड़कें नहीं थीं और जब मैं जीप में गांवों में जाता था तो अपने कपड़ों पर डेढ़ किलो धूल लेकर लौटता था। तब 2,000 गांवों में से केवल 400 में ही बिजली थी। आज छिंदवाड़ा की पहचान विकास के मॉडल के रूप में है। भाजपा इस बार 29-0 की जीत का लक्ष्य लेकर चल रही है और उसने छिंदवाड़ा में पूरी ताकत झोंक दी है। सीएम मोहन यादव ने यहां कई बार दौरा किया है और नाथ परिवार पर 45 साल तक इस जगह को 'गुलाम' बनाने का आरोप लगाया है। वे कहते हैं कि कमल खिलने का समय आ गया है। भाजपा ने इस कठिन कार्य के लिए अपनी जिला इकाई के अध्यक्ष विवेक बंटी साहू को चुना है, हालांकि उन्हें 2019 के उपचुनाव और 2023 के विधानसभा चुनावों में नाथ से दो बार हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा बीते शुक्रवार को छिंदवाड़ा में साहू के लिए वोट मांगने आए थे। उन्होंने नाथों पर परिवारवाद का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा कि मुझे बताइए कि क्या कमल नाथ और उनके बेटे एक पारिवारिक पार्टी हैं या नहीं? मंच पर बैठे नेताओं की ओर इशारा करते हुए नड्डा ने कहा कि जो लोग आगे की पंक्ति में हैं, उनमें से किसी के भी दादा या परदादा राजनीतिक पृष्ठभूमि से नहीं थे। वे आपके प्यार और ताकत की वजह से यहां तक पहुंचे हैं। क्या आप नहीं चाहते कि कोई ऐसा ही व्यक्ति छिंदवाड़ा का प्रतिनिधित्व करे? बंटी साहू को आगे ले जाइए। बदल गया जमाना, बदल डालो छिंदवाड़ा।

बसपा ने भिंड से देवाशीष जरारिया को मैदान में उतारा

भोपाल। 2019 के लोकसभा चुनाव में भिंड-दतिया संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े देवाशीष जरारिया ने कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद जरारिया ने राजस्थान के अलवर में बीएसपी सुप्रीमो मायावती के सामने बसपा की सदस्यता ले ली। सदस्यता लेने के कुछ ही घंटे बाद बसपा ने भिंड सीट से उन्हें प्रत्याशी भी घोषित कर दिया।

कांग्रेस छोड़ मायावती के सामने सदस्यता ली, कुछ ही घंटे बाद प्रत्याशी घोषित

2024 के लोकसभा चुनाव में भिंड-दतिया संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस ने भांडेर विधायक फूल सिंह बरैया को प्रत्याशी बनाया है। इसके बाद से ही देवाशीष कांग्रेस नेताओं से नाराज थे। उन्होंने आज अपना इस्तीफा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को भेज दिया। अब बसपा से चुनाव लड़ने पर कांग्रेस प्रत्याशी फूल सिंह बरैया की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के करीबी माने जाने वाले देवाशीष को 2019 के भिंड से कांग्रेस का टिकट दिया गया था। हालांकि, वह यह चुनाव हार गए थे। उनके टिकट की सिफारिश सीधे राहुल गांधी ने की थी। इसके बाद उनकी गिनती कांग्रेस के बड़े नेताओं में होने लगी थी। दिग्विजय सिंह से उनकी पहचान व्यापमं के व्हिसिलब्लोअर आनंद राय ने और हीरालाल अलावा ने इंदौर में कराई थी।

देवाशीष के करीबियों की मानें तो जरारिया दिल्ली की जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (JNU) में पढ़े हैं। वे बहुजन समाज पार्टी के प्रवक्ता भी रह चुके हैं। जब देवाशीष दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी कर रहे थे, इसी दौरान कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के संपर्क में आए और कांग्रेस जॉइन कर ली। वे जेएनयू नेता कन्हैया कुमार एवं जिग्नेश मेवाणी के करीबी हैं। वे कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ नजर आए थे।

भोपाल में छात्रा से स्कूल वैन ड्राइवर ने किया दुष्कर्म

● 49 दिन तक बंधक बनाए रखा, 10वीं के आखिरी पेपर के दिन किया था किडनैप

भोपाल। राजधानी भोपाल में नाबालिग छात्रा (16) से अपहरण के बाद दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी स्कूल वैन ड्राइवर है। अपहरण के 49 दिन बाद पुलिस छात्रा को बरामद कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार छात्रा को 26 फरवरी को थाना शाहजहांनाबाद इलाके से अगवा किया गया था। दसवीं कक्षा की छात्रा 10बोर्ड का आखिरी पेपर देने गई थी। वारदात को पीड़िता के स्कूल वैन के चालक ने अंजाम दिया। किशोरी को 49 दिन तक जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के अहीरपुरा में बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान पीड़िता के साथ कई बार ज्यादती की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मंगलवार की रात को किशोरी को मुक्त कराया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसआई पवन सेन ने बताया कि 16 वर्षीय किशोरी ईदगाह हिल्स की रहने वाली है। वह शाहजहांनाबाद इलाके के सरकारी स्कूल में 10 वीं कक्षा में पढ़ती है। आरोपी अभिषेक सराठे (34) स्कूल वैन का चालक है। उसकी वैन से किशोरी स्कूल जाती थी। लड़की की बोर्ड परीक्षा होने के कारण सेंटर केंब्रिज स्कूल लोअर ईदगाह हिल्स आया था। आखिरी परीक्षा देने के बाद 26 फरवरी को किशोरी घर नहीं लौटी। देर शाम तक परिजनों ने उसकी तमाम रिश्तेदार और परिचितों के अलावा सहेलियों के घर तलाश की। कहीं कुछ जानकारी नहीं मिलने पर परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। एसआई ने बताया कि लड़की के परिजनों ने वैन चालक पर अपहरण की शंका जाहिर की थी। उसके घर तस्दीक करने पर वह नहीं मिला। उसका मोबाइल नंबर भी लगातार बंद जा रहा था। लिहाजा पुलिस ने मुखबिरों को सक्रिय किया। मुखबिर की सूचना के आधार पर मंगलवार की देर रात पुलिस ने लड़की को अहीरपुरा के एक कमरे से मुक्त कराया। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वैन चालक उसे अगवा कर ले गया था। शुरुआती दिनों में शहर के बाहर घुमाता रहा। 40 दिन पहले आरोपी ने जहांगीराबाद में किराए का मकान लिया। यहां उसने पीड़िता को साथ रखा। बालिग होने पर शादी करने का झांसा देकर कई बार ज्यादती की। लड़की को मुक्त कराने के बाद पुलिस ने उसका मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें रेप की पुष्टि होने पर पॉस्को और रेप की धाराओं में इजाफा किया।

राजधानी में गर्मियों में अब नहीं होगी पानी की दिक्कत

भोपाल नगर निगम ने तैयार किया तगड़ा प्लान, मिलेगी ज्यादा सप्लाई

भोपाल। नर्मदा नदी और कोलार जलाशय से लगभग 70 प्रतिशत पानी की आपूर्ति करके राज्य की राजधानी में पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए भोपाल नगर निगम ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह बदलाव चार दशक से अधिक पुरानी कोलार जल पाइपलाइनों की जगह नई पाइपलाइनों की स्थापना से संभव हुआ है। बीएमसी के सिटी इंजीनियर उदित गर्ग के अनुसार, भोपाल में वर्तमान जल स्थिति आगामी गर्मी के मौसम के लिए अनुकूल है। भोपाल में ऊपरी झील पीने के पानी का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनी हुई है, जो पानी की मांग का लगभग 30 प्रतिशत पूरा करती है। अनुमान है कि ट्रीटमेंट प्लांट से शहर को पानी की आपूर्ति 153 एमएलडी है, जबकि कोलार बांध से कोलार जल उपचार संयंत्र को कच्चे पानी की आपूर्ति 162 एमएलडी है। भोपाल के जल आपूर्ति प्रबंधन की देखरेख बीएमसी के साथ-साथ लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) द्वारा की जाती है। शहर अपनी पेयजल आपूर्ति के लिए कई स्रोतों पर निर्भर है, जिसमें अपर लेक, कोलार जलाशय और नर्मदा नदी शामिल है। कोलार बांध से कच्चा पानी लगभग 36 पाइपलाइनों के माध्यम से जल उपचार संयंत्रों में पंप किया जाता है। 154 एमएलडी की क्षमता वाले संयंत्र में उपचार के बाद, पानी को फिर सर्विस जलाशय में पंप किया जाता है।

पानी आपूर्ति के लिए नई योजना

पिछले साल, 2040 की अनुमानित आबादी के लिए पानी की मांग से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए, अमृत योजना 2.0 के तहत 448 करोड़ रुपये की एक महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य भोपाल में बड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए जलापूर्ति क्षमता को 61 एमएलडी तक बढ़ाना है। इस विस्तार से शहर की जल आपूर्ति प्रणाली की कुल क्षमता 514 एमएलडी से बढ़कर 575 एमएलडी हो जाएगी। बीएमसी जल आपूर्ति प्रणाली को और मजबूत करने के लिए केरवा, कोलार और नर्मदा सहित नए जल उपचार संयंत्रों और पंप स्टेशनों के निर्माण की भी योजना बना रही है। इसके अतिरिक्त, मांग और आपूर्ति की जरूरतों का कुशल प्रक्षेपण सुनिश्चित करने के लिए जल आपूर्ति प्रणाली की निगरानी और नियंत्रण के लिए SCADA का कार्यान्वयन एजेंडे में है। 2019 में भोपाल की दैनिक जल आपूर्ति की आवश्यकता 530 एमएलडी थी। हालांकि, गैर-राजस्व जल की मात्रा 16 प्रतिशत होने और वर्षा जल संचयन और अपशिष्ट जल उपचार क्षमता से जुड़ी समस्याओं के कारण चुनौतियां बनी हुई हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए प्रयास जारी हैं, जिसमें मध्य प्रदेश भूमि विकास नियम, 2012 के अनुसार छतों पर वर्षा जल संचयन प्रणाली को संस्थागत बनाना शामिल है। बीएमसी वर्षा जल संचयन के लिए शुल्क लेती है, लेकिन प्रभावी कार्यान्वयन 1 प्रतिशत से भी कम है। इसके अलावा, शहर में बहुत अधिक मात्रा में अपशिष्ट जल उत्पन्न होता है, जिसकी उपचार क्षमता वर्तमान में 80 एमएलडी है, जिससे शहर के जल निकायों में काफी मात्रा में अनुपचारित अपशिष्ट जल बहता है। इससे निपटने के लिए, अमृत के तहत 160 करोड़ रुपये की परियोजना लागत से नए उपचार संयंत्र और पंप स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं।